www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 73 || अम्बेडकरनगर
गुरूवार
04 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:12
सूर्यास्तः 06:57
अधिकतमः 38°00
न्यूनतमः 29°00

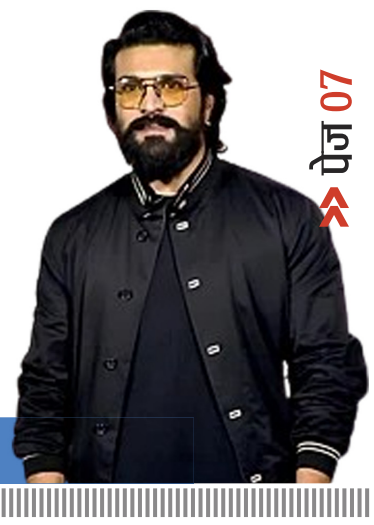
पेज 07

विशेष समाचार
नशा : राष्ट्र की जड़ों को... >>पेज 04
करोड़पति परिवार के 4... >>पेज 06
राम चरण से मिलकर रो...

दिल्ली में होटल बना मौत का घर

होटल की खिड़की पर मौजूद धुएं से घिरी विदेशी महिला। हादसे में मरने वालों में अधिकतर विदेशी नागरिक हैं।

फायर टीम ने यहां से 37 लोगों को बाहर निकाला। बिल्डिंग की फायर एनओसी नहीं थी। होटल में 25 कमरे हैं।

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक मरने वालों में 11 विदेशी नागरिक हैं। इनमें 9 अफ्रीकी और 2 तुर्कमेनिस्तान के हैं। एजेंसी ने पहले ये आंकड़ा 17 बताया था।

भास्कर को मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक 10 भारतीयों में से 8 आपस में रिश्तेदार थे। इनमें 3 राजस्थान के और 5 हरियाणा के रहने वाले थे। हादसे में कुल 35 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 19 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। >> (शेष पेज 06 पर)

21 की मौत इनमें 11 विदेशी और 10 भारतीय नागरिक

रेस्टोरेंट के ऊपर होटल था, आग 6 मंजिल तक पहुंची

आग 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने बी-एन-बी रेस्टोरेंट में लगी। कुछ देर बाद होटल में ऊपर की तरफ फैल गई। यह होटल दिल्ली के प्रेस एन्क्लेव रोड पर है। यहीं पर मैक्स हॉस्पिटल और AIIMS भी है। बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों में इलाज कराने आने वालों के परिजन भी इस होटल में रुका करते थे।

हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

66 दिल्ली आग हादसे की जिम्मेदारी तय करने के लिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए। उधर, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आग लगने की घटना की डिटेल्ड रिपोर्ट मांगी है। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई चूक पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मैक्स अस्पताल बोला- 18 लोगों की पहले ही मौत हो चुकी थी, एम्स में 13 लोग भर्ती

मैक्स अस्पताल के अधिकारी के मुताबिक कुल 39 लोगों को यहां लाया गया था। इनमें से 18 की पहले ही मौत हो चुकी थी। 5 लोगों को हल्की चोटें थीं। उन्हें डिस्चार्ज किया गया है। 15 लोग आईसीयू में एडमिट हैं, इनमें से 8 वेंटिलेटर पर हैं। जिनकी हालत गंभीर है। एक व्यक्ति बहुत ज्यादा झुलस गया था, उसे सफदरजंग अस्पताल रैफर किया गया है। वहीं, AIIMS में 13 लोगों का इलाज जारी है। इनमें 3 लोग वह हैं, जिन्होंने होटल के कमरों से जान बचाने के लिए छलांग लगाई थी। एक व्यक्ति पैर टूट गए हैं।

होटल में 6 रूम की परमिशन थी, लेकिन 25 कमरे थे

फ्लरिस स्टे गेस्टहाउस को बेड एंड ब्रेकफास्ट कॉन्सेप्ट के तहत लाइसेंस जारी किया गया था। इसके तहत 6 रूम की परमिशन थी, लेकिन 25 कमरे बने थे। आग लगने के बाद होटल के रेस्टोरेंट के बेसमेंट में भी काफी लोग फंसे थे। इसमें अंदर जाने और बाहर निकलने का रास्ता एक ही था, जो बहुत संकरा था। होटल के पास फायर NoC नहीं थी। आने-जाने का भी एक ही रास्ता था।

घायलों में पांच बांग्लादेशी नागरिक

होटल में आग लगने की घटना में अब तक पांच बांग्लादेशी नागरिकों के घायल होने का पता चला है। बांग्लादेश हाई कमीशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में बताया कि घायल बांग्लादेशी नागरिकों में से तीन का साकेत के मैक्स हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, जबकि बाकी दो सफदरजंग हॉस्पिटल में भर्ती हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

जहां फायर सेफ्टी नहीं वहां सीलिंग की कार्रवाई का आदेश

दिल्ली LG ने फायर सेफ्टी का पालन न करने वाली जगहों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई का आदेश दिया है।यहां हाई लेवल मीटिंग में उन्होंने अधिकारियों को ये आदेश दिए। बैठक के बाद अधिकारियों ने यह जानकारी दी। होटल, नर्सिंग होम,कोचिंग क्लासेस की जांच के लिए अभियान चलाया जाएगा।

अहमदाबाद में 166 बांग्लादेशी पकड़े गए

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शहर के तीन इलाकों से 300 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जांच में 166 बांग्लादेशी पाए गए हैं, जबकि अन्य संदिग्धों के डॉक्यूमेंट्स की जांच की जा रही है।

2 जून की रात चलाए गए अभियान में अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंडोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर क्षेत्रों में कार्रवाई की थी। हिरासत में लिए गए सभी लोगों को क्राइम ब्रांच कैंपस में रखा गया है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि चंदोला इलाके में लगातार चल रहे अभियानों के कारण बड़ी संख्या में अवैध निवासी एक जगह टिकने से बच रहे हैं। वे पहचान बदलकर शहर के अलग-अलग इलाकों में किराए के मकानों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटलों, कामगार आवासों और व्यावसायिक स्थानों में रह रहे हैं।

डीके शिवकुमार कर्नाटक सीएम बने, संविधान हाथ में लेकर शपथ 12 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली

नियुक्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु । डीके शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलुरु के लोक भवन में कर्नाटक के 24वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान वे हाथ में संविधान रखे हुए थे। उन्हें 30 मई को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था। जी परमेश्वर ने नए डिप्टी चीफ मिनिस्टर पद की शपथ ली। इनके अलावा 12 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें पूर्व सीएम सिद्धारमैया के एमएलसी बेटे यतींद्र सिद्धारमैया भी शामिल हैं।

शिवकुमार, सिद्धारमैया की जगह राज्य की कमान संभालेंगे। सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। वे 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे। उधर, बी के हरिप्रसाद कर्नाटक कांग्रेस के नए अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।

नई कैबिनेट में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक भी शामिल हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

डीके के पास 1400 करोड़ की संपत्ति, मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ भी गए

ममता की टीएमसी टूटी, 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना, स्पीकर ने मंजूरी भी दी

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (TMC) में 28 साल के इतिहास में पहली बार औपचारिक तौर पर टूट सामने आई है। बुधवार को 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का रूम भी अलॉट कर दिया गया है। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता जबकि अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी विधानसभा स्पीकर और ममता बनर्जी का कोई बयान नहीं आया है। >> (शेष पेज 06 पर)

ऋतब्रत ने शुभेंदु अधिकारी को धन्यवाद दिया

अभिषेक से कोई संबंध नहीं- अभिषेक बनर्जी से हमारी पार्टी और जनता का दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है। अगर संबंध होता तो वे 26 दिनों तक छिपे नहीं रहते बल्कि बाहर आते। अभिषेक को चोरों की तरह पीटा गया है। पिटाई के बाद भी अभिषेक कह रहे थे कि उनकी सुरक्षा जनता करेगी। बता दें कि अभिषेक से दक्षिण सोनारपुर में 30 मई को मारपीट हुई थी। वे चुनावी हिंसा में मारे गए कार्यकर्ता के परिवार से मिलने गए थे।

फास्ट न्यूज

ट्रोलिंग से परेशान इन्फ्लूएंसर ने पी लिया जहर

जोधपुर । जोधपुर में सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग से परेशान होकर महिला इन्फ्लूएंसर अनीता बिश्नोई (32) ने घर में जहर पी लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें तुरंत मथुरादास माथुर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

जांच सुनवाई

13 साल उम्र,3 साल में 700 लोगों ने रेप किया

लंदन । ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोव ने संसद में अपने एक भाषण से ब्रिटेन के ग्रूमिंग गैंग कांड पर फिर से बहस छेड़ दी है। उन्होंने इस भाषण में पीड़ितों की गवाही पढ़ी। उन्होंने संसद को बताया कि रेप गिरोह की दो हफ्तों की जांच की सुनवाई के दौरान जो बातें कही गईं, उसे पूरी दुनिया को सुननी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि एक पीड़ित से 13 से 16 साल की उम्र के बीच 600-700 अलग-अलग पुरुषों ने रेप किया। लोव ने कहा, ब्रिटेन के कम से कम 85 इलाकों में संगठित बाल यौन शोषण के संकेत मिले हैं। संसद में पढ़ी गई गवाहियों में सामूहिक दुष्कर्म, हिंसा, धमकी और नस्लीय अपमान के आरोप शामिल थे।

भारत समेत दुनियाभर में 3 महीने तक सूखे की आशंका

नई दिल्ली। इस साल में भारत समेत दुनियाभर में सूखे की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने मंगलवार देर रात वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है।

भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार से उत्तर प्रदेश की छवि धूमिल

आगरा का पर्यटन और कारोबार प्रभावितः अखिलेश यादव

आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने भाजपा सरकार पर प्रदेश के विकास को बाधित करने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को विकास के बजाय बदनामी दी है और भ्रष्टाचार के कारण देश-दुनिया में प्रदेश की छवि खराब हो रही है। बुधवार को जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार और लूट का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि नौ वर्षों के कार्यकाल में गड्ढा मुक्त सड़कों के नाम पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन सड़कों की स्थिति आज भी खराब है। उन्होंने कहा कि बजट का दुरुपयोग हुआ और जनता को इसका लाभ नहीं मिला। >> (शेष पेज 06 पर)

सपा प्रमुख बोले- गड्ढा मुक्त सड़कों के नाम पर हुआ बजट का बंदरबांट, बदहाल व्यवस्था के कारण निवेशक भी प्रदेश से बना रहे दूरी

योगी सरकार ने सरकारी वकीलों का मानदेय बढ़ाया, मंथली रिटेनरशिप और बहस की नई फीस फिक्स

गाड़ियों के बकाया टैक्स पर 100% जुर्माना होगा माफ

1,853 करोड़ रुपये के बकाये की वसूली का रास्ता आसान

8.50 लाख बकायेदार वाहन स्वामियों को मिलेगी राहत

मुहर

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को उनके सरकारी आवास पर आयोजित कैबिनेट बैठक में 24 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई है। सरकारी वकीलों के भत्ते में बढ़ोतरी के साथ मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया और लाखों वाहन स्वामियों को बड़ी राहत दी गई है। योगी आदित्यनाथ कैबिनेट ने खाद्य एवं रसद विभाग की मक्का क्रय नीति के साथ ही कारागार विभाग, सिंचाई विभाग, आबकारी विभाग, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, कृषि व स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के प्रस्ताव को दी हरी झंडी दी है। मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2400 प्रति कुंतल तय किया गया। मक्का की सरकारी खरीद की अवधि 5 जून से 31 जुलाई तक रहेगी और कई जिलों में मक्का खरीद की व्यवस्था लागू होगी। कैबिनेट में बंदियों की मृत्यु पर मुआवजे की नई नीति का हरी झंडी दी। जेल में बंदी की मृत्यु एवं मुआवजा भुगतान नीति को मंजूरी दी गई है। >> (शेष पेज 06 पर)

महाधिवक्ता को प्रतिमाह रिटेनरशिप 1.25 लाख रुपये

उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति को मंजूरी

24 प्रस्तावों पर योगी आदित्यनाथ कैबिनेट ने लगाई मुहर

अन्य प्रस्तावों को जानिए

कारागार विभागः 5 जिलों में नई जेल बनेंगी

मुरादाबादः 2000 बंदी क्षमता वाली नई जिला जेल के निर्माण के लिए 386.91 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति का प्रस्ताव।

ललितपुरः 552 बंदी क्षमता वाली नई जिला जेल के निर्माण के लिए 225.06 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति का प्रस्ताव।

औरैयाः 1056 बंदी क्षमता वाली नई जिला जेल के निर्माण के लिए 264.96 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति का प्रस्ताव।

कानपुर नगरः 2030 बंदी क्षमता वाली नई जिला जेल के निर्माण के लिए 384.05 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति का प्रस्ताव।

भदोहीः 574 बंदी क्षमता वाली नई जिला जेल के निर्माण के लिए 209.19 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति का प्रस्ताव।

बदलाव : एक आदेश और तेज हुई चर्चाएं, जिले की राजनीति में नई हलचल, प्रभारी मंत्री की नई तैनाती से कई संदेश

भाजपा ने बदला सियासी चेहरा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने अंबेडकरनगर में महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव किया है। जिले के प्रभारी मंत्री रहे गिरीश चंद्र यादव की जगह अब कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। फैसले के बाद संगठन से लेकर राजनीतिक गलियारों तक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

भाजपा का यह कदम ऐसे समय सामने आया है जब पार्टी पूर्वांचल के जिलों में संगठन को और सक्रिय बनाने तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच अपनी पहुंच मजबूत करने पर जोर दे रही है। अंबेडकरनगर में प्रभारी मंत्री के बदलाव को भी इसी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

अंबेडकरनगर की चुनावी राजनीति में भी दलित, पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग निर्णायक भूमिका निभाता रहा है। ऐसे में राजनीतिक जानकार इस फैसले को आगामी चुनावी रणनीति के नजरिए से भी देख रहे हैं।

प्रभारी मंत्री के बदलाव के बाद अब राजनीतिक हलकों की निगाहें ओम प्रकाश राजभर की कार्यशैली और जिले में उनकी सक्रियता पर टिकी हैं। आने वाले महीनों में संगठनात्मक कार्यक्रमों, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद और राजनीतिक गतिविधियों की दिशा काफी हद तक तस्वीर स्पष्ट करेगी। >> (शेष पेज 06 पर)

ओम प्रकाश राजभर लंबे समय से पूर्वांचल की राजनीति का सक्रिय चेहरा रहे हैं। अति पिछड़ा वर्ग के बीच उनकी पहचान और राजनीतिक प्रभाव को देखते हुए उनकी नई जिम्मेदारी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मिशन 2027 की बिसात पर नई चाल

भाजपा लगातार बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के अभियान में जुटी है। सदस्यता अभियान, संगठनात्मक बैठकें और जनसंपर्क कार्यक्रम इसी रणनीति का हिस्सा हैं। ऐसे में जिले में प्रभारी मंत्री के स्तर पर किया गया बदलाव आगामी चुनावी तैयारियों का संकेत माना जा रहा है।

'कमान' बदली तो बदले सियासी मायने

जिले में प्रभारी मंत्री की भूमिका केवल सरकारी बैठकों तक सीमित नहीं मानी जाती। संगठनात्मक गतिविधियों की निगरानी, कार्यकर्ताओं से संवाद और पार्टी की रणनीतियों को जमीन तक पहुंचाने में भी यह पद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में गिरीश चंद्र यादव के स्थान पर ओम प्रकाश राजभर की नियुक्ति ने राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान खींचा है। इसे भाजपा के उस प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें संगठन और सामाजिक समीकरणों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की कोशिश की जा रही है।

भारत समेत दुनियाभर में 3 महीने तक सूखे की आशंका

नई दिल्ली। इस साल में भारत समेत दुनियाभर में सूखे की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने मंगलवार देर रात वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है।

पटना में खान सर की कोचिंग पर हमला

गार्ड से मारपीट-पथराव, पोस्टर फाड़े

तनाव

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना । पटना में मंगलवार रात खान सर की कोचिंग ग्लोबल स्टडीज पर हमला हुआ। हमले का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग गार्ड को पीटते दिख रहे हैं। इस दौरान ईंट-पत्थर भी चलाए गए। पोस्टर भी फाड़ दिए।

पुलिस ने ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रोशन आनंद समेत उनके दो सहयोगी अभिषेक और गौरव को गिरफ्तार किया है। तीनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। संवाददाता बातचीत में टाउन DSP-1 राजेश रंजन ने इसकी पुष्टि की है। >> (शेष पेज 06 पर)

ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर समेत 3 गिरफ्तार

टाउन DSP के मुताबिक, रोशन आनंद और उसके दोनों सहयोगियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। खान सर ने हमले का आरोप ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर और कोचिंग के कर्मियों पर लगाया है।

1.5 लाख में दूसरे की जगह पर दे रहा था पेपर ■ रेटिना जांच के बाद मिली एंट्री

यूपी टीजीटी की परीक्षा में बरेली में पकड़ा गया सॉल्वर

फर्जीवाड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर । उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (UPESSC) द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) भर्ती परीक्षा के दौरान बरेली में एक फर्जी सॉल्वर पकड़ा गया है। पकड़ा गया आरोपी प्रमोद कुमार, आजमगढ़ का रहने वाला है। वह फर्रुखाबाद निवासी अभ्यर्थी विमल कुमार के स्थान पर परीक्षा देने आया था। इस फर्जीवाड़े के लिए दोनों के बीच डेढ़ लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। इसी बीच TGT परीक्षा की पहली पाली शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने बताया- इस बार का पेपर पिछली भर्ती परीक्षा की तुलना में थोड़ा अधिक कठिन था, लेकिन कुल मिलाकर ठीक रहा। बस पेपर लीक ना हो।

■ बरेली में TGT परीक्षा के दौरान आजमगढ़ का साल्वर पकड़ा गया।

- अयोध्या में टीजीटी परीक्षा की पहली पाली शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। 11 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई।
- पहली पाली में कुल 4565 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 2469 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 2096 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

4 साल के लंबे इंतजार के बाद TGT परीक्षा कराई जा रही है। प्रदेश के 36 जिलों में 614 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। 3539 पदों के लिए 868531 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र के अंदर कड़ी सुरक्षा के बीच भेजा जा रहा है। अभ्यर्थियों के मेटल डिटेक्टर से स्कैनिंग के साथ रेटिना की स्कैनिंग की जा रही है। गोरखपुर में अभ्यर्थियों के रूमाल का झड़वाकर चेक किया गया। जूते उतरवाए गए। वहीं महिला अभ्यर्थियों के कानों की बाली और बालों के जुड़े खुलवाकर चेक किए गए। यह परीक्षा 3 और 4 जून को दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 09:30 बजे से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 02:30 बजे से शाम 04:30 बजे तक होगी।

बरेली में टीजीटी परीक्षा में पकड़ा गया सॉल्वर

बरेली में टीजीटी की परीक्षा में एक फर्जी सॉल्वर को रंगे हाथों पकड़ा गया है। पकड़ा गया आरोपी प्रमोद कुमार आजमगढ़ का रहने वाला है। वह फर्रुखाबाद के रहने वाले अभ्यर्थी विमल कुमार के स्थान पर परीक्षा देने आया था। इस फर्जीवाड़े के लिए प्रमोद और विमल के बीच डेढ़ लाख रुपए का सौदा तय हुआ था। प्रमोद ने विमल से एडवांस रकम भी ले ली थी और बाकी के पैसे परीक्षा पास होने के बाद मिलने थे।

प्रयागराज में अभ्यर्थी धीरेन्द्र सिंह बोले- बस अच्छा था, बस लीक ना हो

प्रयागराज में अभ्यर्थी धीरेन्द्र सिंह ने बताया- टीजीटी परीक्षा में कुछ प्रश्न घुमावदार थे, जिससे थोड़ी परेशानी जरूर हुई, लेकिन कुल मिलाकर पेपर ठीक-ठाक रहा और अच्छे से हल हो गया।

■ हाथरस में परीक्षा केंद्र पर पहुंचे अभ्यर्थियों के जूते- मोजे खुलवाए गए।

अयोध्या में रास्ते को लेकर मारपीट कुल्हाड़ी लाठी-रॉड से हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या के कोतवाली क्षेत्र के मारुई सहायसिंह गांव में बुधवार को रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। इस संघर्ष में कुल्हाड़ी, लाठी और लोहे की रॉड का इस्तेमाल किया गया, जिससे कुल सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से तीन घायलों की हालत चिंताजनक होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, गांव में रास्ते को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। बुधवार को यह विवाद कहासुनी से शुरू होकर मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों ने धारदार और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के मुताबिक, इस रास्ते को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका है।

संघर्ष में एक पक्ष से अजय यादव (28), संजय यादव (25), जगदीश प्रसाद (50) और सुनीता देवी (45) घायल हुए। वहीं दूसरे पक्ष से प्रेम कुमार यादव (45), अनीता देवी (30) और अपील (36) को गंभीर चोटें आईं।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी अमरेंद्र बहादुर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया और सभी घायलों को तत्काल बीकापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। सीएचसी बीकापुर में तैनात चिकित्सक डॉ. धर्मेंद्र रंजन ने बताया कि घायल प्रेम कुमार यादव, अनीता देवी और अपील की स्थिति अधिक गंभीर थी। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

फास्ट न्यूज

एमएलए नंदकिशोर के गांव में 1000 जवान तलाश रहे लाश

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी में 44 साल के दूध व्यापारी ओंकार उर्फ ओमन की लाश 72 घंटे बाद भी नहीं मिली। वारदात को आज चौथा दिन है, गाजियाबाद पुलिस के एक हजार जवान लाश तलाशने में जुटे हैं। सोमवार को एडिशनल पुलिस कमिश्नर मुख्यालय केशव कुमार चौधरी और डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी भी भारी फोर्स के साथ लोनी पहुंचे।

टयूशन जा रही छात्राओं से छेड़खानी

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के जंगल हकीम नंबर-दो,मोहनापुर में मंगलवार शाम ट्यूशन पढ़ने जा रही 05 छात्राओं के साथ छेड़खानी और मारपीट का मामला सामने आया है। छात्राओं की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरे की मदद ले रही है। वहीं घटना के बाद सभी छात्राएं डरी-सहमी हुई हैं। शाहपुर के पादरी बाजार क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों की रहने वाली कक्षा 08 की पांच छात्राएं मंगलवार शाम करीब पांच बजे पैदल ट्यूशन पढ़ने के लिए जंगल हकीम नंबर-दो स्थित टीएन पब्लिक स्कूल के पास जा रही थीं।

मानसिक चिकित्सालय में बंदी की कार्डियक अरेस्ट से मौत

वाराणसी। उन्नाव में युवती के साथ छेडखानी और दुष्कर्म के प्रयास में जेल गए आरोपी युवक की मंगलवार आधी रात वाराणसी के मानसिक चिकित्सालय में मौत हो गई। रात के खाने के बाद अचानक उसकी तबियत बिगड़ गई और देर रात कार्डियक अरेस्ट के बाद दम तोड़ दिया। आनन फानन उसे वार्ड में लाया गया जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

खेलकूद गतिविधियां युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम : सुभाष चंद्र

विश्व साइकिल दिवस पर दौड़ और साइकिल प्रतियोगिता का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर बुधवार को सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के शहीद भगत सिंह यूथ रेस्लिंग ग्राउंड, चन्द्रसिहाली में रमेरा युवा भारतर (खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में दौड़ एवं साइकिल रेसिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। जिला युवा अधिकारी रश्मि शबनम गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के दर्जनों युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुभाष चंद्र वर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद गतिविधियां युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों में नियमित रूप से भाग लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत सबसे पहले 400 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। इस स्पर्धा में शौर्य चौरसिया ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया, जबकि अमन मिश्रा द्वितीय और धनंजय निषाद तृतीय स्थान पर रहे। इसके बाद 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी गति और सहनशक्ति का शानदार प्रदर्शन किया।

■ कार्यक्रम के समापन पर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी रश्मि शबनम गुप्ता ने कहा कि विश्व साइकिल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को साइकिल के महत्व, स्वास्थ्य लाभ और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

हर्षित सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

इस प्रतियोगिता में हर्षित सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कृपाशंकर द्वितीय तथा शौर्य चौरसिया तृतीय स्थान पर रहे। लगातार दो प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शौर्य चौरसिया ने उपस्थित लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में जीत हासिल करने का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि साइकिल एक सस्ता, सुलभ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधन है, जो व्यक्ति को स्वस्थ रखने के साथ-साथ प्रदूषण को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रिश्वत लेने वाला लेखपाल गिरफ्तार एंटी करप्शन टीम की हुई कार्रवाई

अयोध्या की रुदौली तहसील में राजस्व कार्य के लिए मांगी थी रिश्वत

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या की रुदौली तहसील में बुधवार को एंटी करप्शन टीम ने एक लेखपाल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में हड़कंप मच गया और कर्मचारियों व आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। लेखपाल पर राजस्व विभाग से संबंधित कार्य के लिए रिश्वत मांगने का आरोप है।

जानकारी के अनुसार, रुदौली तहसील क्षेत्र के एक व्यक्ति का राजस्व विभाग से संबंधित कार्य लंबे समय से लंबित था। पीड़ित का आरोप है कि उसका काम पूरा करने के बदले लेखपाल दीप चंद्र यादव लगातार रिश्वत की मांग कर रहे थे। कई बार तहसील के चक्कर लगाने और कथित रूप से धन की मांग जारी रहने के बाद पीड़ित ने एंटी करप्शन संगठन से शिकायत की। शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन टीम ने मामले का सत्यापन किया। प्रारंभिक जांच में शिकायत को गंभीर पाए जाने पर टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की तैयारी की। इसके बाद अधिकारियों ने आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाने की रणनीति बनाई। तय योजना के तहत पीड़ित को आरोपी लेखपाल के पास भेजा गया। इसी दौरान एंटी करप्शन टीम ने मौके पर पहुंचकर लेखपाल दीप चंद्र यादव को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने आवश्यक साक्ष्य भी एकत्र किए।

- गिरफ्तारी की सूचना फैलते ही तहसील परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई अधिकारी और कर्मचारी मामले की जानकारी लेने में जुट गए। वहीं, स्थानीय लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ की गई इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण बताया है।

एमआरए मेडिकल कॉलेज को बड़ी उपलब्धि

ऑर्थोपेडिक विभाग को पांच वर्ष की एक्रिडिटेशन मिली

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। एम.आर.ए. मेडिकल कॉलेज, सदरपुर के ऑर्थोपेडिक विभाग को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडिकल साइंसेज (NBEMS) द्वारा बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। बोर्ड ने विभाग को जनवरी 2026 से दिसंबर 2030 तक पांच वर्षों के लिए प्रोविजनल एक्रिडिटेशन प्रदान किया है। इसके तहत विभाग में प्रतिवर्ष 2 डीएनबी पोस्ट एमबीबीएस सीटों पर स्नातकोत्तर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस उपलब्धि पर मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने ऑर्थोपेडिक विभाग को बधाई दी। उन्होंने विभागाध्यक्ष एवं सह आचार्य डॉ. जावेद अहमद तथा सहायक आचार्य डॉ. विवेक श्रीवास्तव को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा फैकल्टी बनाए जाने पर शुभकामनाएं भी दीं।

प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने कहा कि ऑर्थोपेडिक विभाग में पीजी कोर्स शुरू होने से इमरजेंसी सुविधाओं में और अधिक बढ़ोत्तरी होगी। इससे क्षेत्र के मरीजों को बेहतर उपचार एवं त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी, जिससे उन्हें काफी राहत मिलेगी।

अयोध्या में भूमि आवंटन में अनियमितता का आरोप

अयोध्या। जिले के मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम बकचुना निवासी उमेश तिवारी ने तत्कालीन लेखपाल ज्ञान प्रकाश द्विवेदी, राजस्व निरीक्षक भोलानाथ शर्मा और तत्कालीन ग्राम प्रधान राजेश यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उमेश तिवारी ने इन पर पद का दुरुपयोग कर सरकारी नियमों की अनदेखी करते हुए धारा-67ए के तहत गलत तरीके से भूमि आवंटन का लाभ दिलाने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।उमेश तिवारी के अनुसार, ग्राम सभा बकचुना की पुरानी गाटा संख्या 1033 की भूमि चकबंदी के दौरान सामान्य आबादी के लिए आरक्षित की गई थी। इसका नया गाटा संख्या 1580 है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि धारा-52 के प्रकाशन के समय यह भूमि नवीन परती के खाते में दर्ज थी और उस पर कोई निर्माण नहीं था। आरोप है कि नियमों को दरकिनार करते हुए ग्राम प्रधान के करीबी रिश्तेदारों चिमना देवी और शिवकुमारी को धारा-67ए के तहत लाभ दे दिया गया।

पेपर लीक ने लाखों युवाओं को अवसाद और असुरक्षा के अंधेरे में धकेल दिया है: संजय सिंह

रितिक मिश्रा के परिजनों से मिलने लखीमपुर खीरी पहुंचे संजय सिंह

> रितिक की मौत का जवाब कौन देगा? पेपर लीक पर चर्चा से डरने वाली भाजपा सरकार युवाओं के सपनों की हत्यारी है
> - संजय सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखीमपुर खीरी। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह बुधवार को लखीमपुर खीरी के नौरंगाबाद स्थित गंगोत्री नगर पहुंचकर नीट परीक्षार्थी रितिक मिश्रा के परिजनों से मिले। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा और जवाबदेही से डरती है, लेकिन रितिक मिश्रा की मौत का जवाब कौन देगा? रितिक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसने डॉक्टर बनने का सपना देखा, दिन-रात मेहनत कर नीट परीक्षा की तैयारी की और परीक्षा भी दी, लेकिन पेपर लीक की खबरों ने उसके सपनों को तोड़ दिया। संजय सिंह ने कहा कि यह केवल आत्महत्या नहीं बल्कि भ्रष्ट परीक्षा व्यवस्था और सरकार की विफलताओं से हुई संस्थागत हत्या है। संजय सिंह ने रितिक के माता-पिता और परिजनों से विस्तृत बातचीत कर घटना की जानकारी ली। परिजनों ने बताया कि रितिक लगातार तीसरी बार नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। इस बार उसकी परीक्षा बेहद अच्छी हुई थी और उसे चयन की पूरी उम्मीद थी। लेकिन लगातार सामने आ रही पेपर लीक और परीक्षा की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों ने उसे मानसिक रूप से गहरे आघात में पहुंचा दिया।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, मुजफ्फरनगर

संख्याः 5715/आबकारी/विविध/2026-27/ मु०नगर दिनांक 03-06-2026

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि आबकारी विभाग द्वारा मदिरा के समस्त फुटकर दुकानों से मानक मदिरा / बीयर आदि की बिकी सुनिश्चित कराये जाने के कम मे उपभोक्ताओं के प्रति पूर्ण पारदर्शिता प्रदर्शित करते हुये, आबकारी विभाग द्वारा द्वारा एक "UP Excise Citizen App" नामक सर्वसुलभ ऐप तैयार किया गया है, जो "गूगल प्ले स्टोर" एवं "ऐप्पल ऐप" स्टोर पर उपलब्ध है।

उक्त ऐप को किसी भी नागरिक/ उपभोक्ता द्वारा अपने मोबाइल पर डाउनलोड किया जा सकता है। उक्त ऐप के माध्यम से किसी भी मदिरा की दुकान से विक्रीत मदिरा की बोतल /कैन / एसेप्टिक ब्रिक पैक आदि पर चस्पा एक्साइज एढेसिव लेबिल पर छपे क्यू०आर० कोड को स्कैन कर सम्बन्धित मदिरा की बोतल से सम्बन्धित समस्त आवश्यक सूचनायें देखी जा सकती है।

Apple App Store

Google Play Store

अवैध मदिरा के तस्करी, निर्माण एवं बिक्री तथा निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर मदिरा की बिक्री किये जाने आदि के सम्बन्ध में कोई सूचना/शिकायत हो, तो सूचना निम्न दूरभाष नम्बरों के साथ-साथ आबकारी विभाग के टोलफी नम्बर 14405 व व्हाटसएप नम्बर 9454466019 पर दी जा सकती है। सूचना देने वाले का नाम व पता गुप्त रखा जायेगा।

1- जिला आबकारी अधिकारी, मुजफ्फरनगर	9454465660
2- आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-1, सदर, मु०नगर ।	9454466456
3- आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-2, खतौली, मु०नगर ।	9454466458
4- आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-3 जानसठ, मु०नगर।	9454466838
5- आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-4, बुढाना, मु०नगर ।	9454466526

(रवि शंकर)
जिला आबकारी अधिकारी,
मुजफ्फरनगर।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने शराब की दुकान के सामने बैठकर नारेबाजी की

शराब ठेका हटाने की मांग पर फूटा ग्रामीणों का आक्रोश

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। अमराई-गांव स्थित देशी शराब की दुकान को हटाने की मांग को लेकर बुधवार को ग्रामीणों का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों और ग्रामीणों ने महादेवा–सूरतगंज मार्ग पर प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आबादी और शिक्षण संस्थानों के नजदीक संचालित हो रही शराब की दुकान क्षेत्र के सामाजिक माहौल को खराब कर रही है तथा आए दिन विवाद की स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं। बुधवार दोपहर शुरू हुए प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने शराब की दुकान के सामने बैठकर नारेबाजी की और दुकान को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की मांग उठाई। सड़क जाम होने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब डेढ़ घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारियों के हस्तक्षेप से मामला शांत हो सका। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र पहले भी जहरीली शराब कांड की त्रासदी झेल चुका है। रानीगंज शराब कांड में अमराईगांव, सेमराय, उमरी द्वितीय, कजियापुर समेत कई गांवों के 27 लोगों की मौत हुई थी। उस दर्दनाक घटना के बाद से ग्रामीण, विशेषकर महिलाएं, शराब की दुकानों के संचालन को लेकर लगातार विरोध दर्ज कराती रही हैं। उनका मानना है कि गांव के बीच स्थित शराब की दुकान सामाजिक और पारिवारिक वातावरण को प्रभावित कर रही है।

कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी जा चुकी

आशा देवी, रीना देवी, किरन, प्रीति, कमला देवी, सुनैना, काजल, राजरानी, माधुरी और सुनीता सहित अन्य महिलाओं ने कहा कि कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी वजह से ग्रामीणों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस और आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद एक माह के भीतर दुकान को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कराने की प्रक्रिया शुरू किए जाने का लिखित आश्वासन दिया गया। आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया और यातायात सामान्य हो सका।

जून से लागू हुए नए निर्देश, शाम छह बजे के बाद बिक्री पर रहेगा प्रतिबंध

उर्वरकों का पर्याप्त भंडार

निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। खरीफ सीजन को देखते हुए जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त बताई गई है। जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि किसानों को आवश्यक उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सहकारिता और निजी क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में भंडारण किया गया है। साथ ही उर्वरक बिक्री को लेकर नए निर्देश भी जारी किए गए हैं।

जिला कृषि अधिकारी के अनुसार जून माह तक यूरिया के 7135 मीट्रिक टन लक्ष्य के सापेक्ष 22319 मीट्रिक टन उपलब्ध कराया गया है। इसी प्रकार डीएपी के 2650 मीट्रिक

टन लक्ष्य के मुकाबले 5836 मीट्रिक टन, एनपीके के 484 मीट्रिक टन लक्ष्य के सापेक्ष 3454 मीट्रिक टन तथा एसएसपी के 3427 मीट्रिक टन लक्ष्य के मुकाबले 16182 मीट्रिक टन उपलब्धता दर्ज की गई है। एमओपी की उपलब्धता 152 मीट्रिक टन रही है।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि सभी निजी और सहकारी उर्वरक विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि शाम छह बजे के बाद किसी भी प्रकार के उर्वरक की बिक्री नहीं की जाए।

यदि कोई विक्रेता निर्धारित समय के बाद उर्वरक बेचते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही संबंधित विक्रेता की बिक्री भी प्रतिबंधित की जा सकती है। उर्वरकों से संबंधित शिकायतों और जानकारी के लिए जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में उर्वरक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसानों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 9455485475 जारी किया गया है।

किसान पहचान पत्र और फार्मर रजिस्ट्री होगी अनिवार्य

उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश जारी किए गए हैं। जून माह से बिना किसान पहचान पत्र और फार्मर रजिस्ट्री के किसी भी किसान को उर्वरक की बिक्री नहीं की जाएगी।

कृषि विभाग का कहना है कि यह व्यवस्था वास्तविक किसानों तक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और अनियमितताओं को रोकने के उद्देश्य से लागू की गई है।

> **वितरण के बाद वर्तमान में जनपद में यूरिया 19517 मीट्रिक टन, डीएपी 4963 मीट्रिक टन, एनपीके 3266 मीट्रिक टन, एसएसपी 15613 मीट्रिक टन तथा एमओपी 129 मीट्रिक टन उपलब्ध है।**

भव्य स्वागत के बाद भाजपा में शुरू हुई फुसफुसाहट

नए जिलाध्यक्ष के सामने पहले दिन से कई सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी के नए जिलाध्यक्ष के रूप में देव पटेल का जनपद आगमन उत्साह और शक्ति प्रदर्शन के बीच हुआ। जगह-जगह स्वागत, माल्यार्पण और अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किए गए। समर्थकों ने नए नेतृत्व के प्रति भरोसा जताया, लेकिन कार्यक्रम समाप्त होते-होते संगठन के भीतर कई मुद्दों को लेकर चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया।

स्वागत समारोह के दौरान लगे कुछ नारों ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। ₹तख्त बदल दो, ताज बदल दो, बेईमानों का राज बदल दो₹ जैसे नारों को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच सवाल उठने लगे। पार्टी के भीतर यह चर्चा रही कि सत्ता में होने के

बावजूद ऐसे नारों का राजनीतिक संदेश क्या था। कई कार्यकर्ताओं ने इसे कार्यक्रम की मूल भावना से अलग बताया। जिलाध्यक्ष के स्वागत मार्ग पर स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण नहीं होने को लेकर भी राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा रही। क्षत्रिय समाज से जुड़े कार्यकर्ताओं ने इसे लेकर नाराजगी जाहिर की। कार्यकर्ताओं का कहना है कि ऐसे अवसर केवल स्वागत कार्यक्रम नहीं होते, बल्कि विभिन्न समाजों के प्रति सम्मान और सहभागिता का संदेश देने का मंच भी होते हैं। यही वजह रही कि यह मुद्दा कार्यक्रम के बाद भी चर्चा में बना रहा। नए जिलाध्यक्ष के एक बयान ने भी संगठन के भीतर बहस छेड़ दी। संगठन को ₹शून्य से शिखर₹ तक पहुंचाने की बात कई पुराने कार्यकर्ताओं को रास नहीं आई।

कार्यकर्ताओं का तर्क है कि जिले में भाजपा लंबे समय से मजबूत राजनीतिक उपस्थिति रखती है। पार्टी के पास विधायक, एमएलसी, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख और विभिन्न निकायों में जनप्रतिनिधि मौजूद हैं।

फास्ट न्यूज

मोदी पर टिप्पणी से गरमाई सियासत

वाराणसी। वाराणसी में बुधवार सुबह कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अजय राय के खिलाफ भाजपा आज प्रदर्शन कर रही है। काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में जिला मुख्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे हैं। वाराणसी महानगर और वाराणसी जिला भाजपा संगठन की ओर से आयोजित 'आक्रोश सभा' में 8 विधानसभा से कार्यकर्ता शामिल हुए।

वाराणसी में 21 साल पुराने बवाल में 14 नेता दोषमुक्त

वाराणसी। वाराणसी में 21 साल पहले बवाल और मारपीट समेत कई धाराओं में जेल गए भाजपा और हिंदूवादी नेताओं को कोर्ट ने राहत दे दी है। साक्ष्य, गवाहों और पुलिस की चार्जशीट के बावजूद सभी को संदेह का लाभ देते हुए कोर्ट ने बरी कर दिया। एमपीएमएलए कोर्ट के जज यजुवेंद्र विक्रम सिंह ने केस में सुनवाई के बाद बवाल में आरोपियों की अहम भूमिका नहीं पाई। इन सभी 14 नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया था, जिसके बाद पुलिस ने जेल भेजा था।

मेजा में 1.37 करोड़ की पेयजल योजना

मेजा। प्रयागराज के मेजा तहसील क्षेत्र के डिघिया गांव में 1.37 करोड़ रुपये की लागत से बनी नवनिर्मित पेयजल समूह योजना करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी शोपीस बनकर रह गई है। सैकड़ों उपभोक्ताओं को कनेक्शन दिए जाने के बावजूद वर्षों से योजना से एक बूंद पानी नहीं मिल पा रहा है। जलापूर्ति ठप होने से करीब 27 हजार की आबादी प्रभावित है।

कटारिया याकूबपुर में बारात घर निर्माण की मांग

ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका क्षेत्र के कटारिया याकूबपुर जोलहिया बस्ती के ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बस्ती में बारात घर निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में शादी-विवाह और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। इसके कारण लोगों को निजी स्थानों या अस्थायी व्यवस्थाओं का सहारा लेना पड़ता है। इससे आयोजन करने में कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। ग्रामीणों के अनुसार बस्ती और आसपास के क्षेत्र में वर्षभर विवाह सहित विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। पर्याप्त स्थान की

व्यवस्था न होने से कई बार आयोजकों को अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। जगह की कमी के कारण कार्यक्रमों के संचालन में भी परेशानी होती है। कटारिया याकूबपुर के सभासद अतुल वर्मा ने बताया कि गांव के पास स्थित हवाई पट्टी की भूमि पर इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण हो चुका है। इसके बावजूद कुछ भूमि अभी खाली है। ग्रामीण लंबे समय से इसी स्थान का उपयोग अस्थायी रूप से सामाजिक आयोजनों के लिए करते आ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि यदि संभव हो तो खाली पड़ी भूमि को बारात घर निर्माण के लिए सुरक्षित किया जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण: पात्र सूची पर ग्राम सभाओं में होगा अनुमोदन

व्यापक प्रचार-प्रसार और पारदर्शिता के साथ प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में किए गए सर्वेक्षण में पात्र पाए गए लाभार्थियों की सूची के अनुमोदन के लिए जनपद में ग्राम सभा बैठकों का आयोजन किया जाएगा। यह बैठकें 06 जून 2026 से 20 जून 2026 तक रोस्टर के अनुसार आयोजित होंगी।

इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला और जिला विकास अधिकारी/प्रभारी परियोजना अधिकारी डीआरडीए की उपस्थिति में जनपद के सभी खंड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठकों का आयोजन निर्धारित

रोस्टर के अनुसार किया जाएगा। इस दौरान सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ग्राम सभा बैठकों को समयबद्ध और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जाए। प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता न हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा गया। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार ग्राम सभा की कार्यवाही तैयार की जाए। अनुमोदित सूची को नियमानुसार समय पर ऑनलाइन अपलोड किया जाए, जिससे योजना के पात्र लाभार्थियों को शीघ्र लाभ मिल सके। सभी दस्तावेजों का सही ढंग से संधारण सुनिश्चित

ग्राम सभा बैठकों में अधिक से अधिक जनभागीदारी पर जोर

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्राम सभा बैठकों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण बैठक में शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों की सूची के अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से कराई जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और चयन प्रक्रिया में स्पष्टता बनी रहे।

करने पर भी जोर दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत पात्र लाभार्थियों के चयन और अनुमोदन की यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

जनसुनवाई में दिखी संवेदनशील पुलिसिंग, एसपी ने खुद सुनीं फरियादें

शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पुलिस कार्यालय में बुधवार को आयोजित जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने आमजन की शिकायतें सुनीं और उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। पुलिस अधीक्षक ने एक-एक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों से मामलों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी प्रकरणों का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शिकायतकर्ताओं को त्वरित राहत मिल सके। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट और अन्य मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधीक्षक ने शिकायतकर्ताओं की बात ध्यानपूर्वक सुनी और

आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

हाल के समय में जनसुनवाई के माध्यम से आम लोगों की समस्याएं सुनने और उन पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की पहल को पुलिस की जवाबदेह कार्यशैली के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस अधीक्षक की नियमित जनसुनवाई से लोगों को अपनी शिकायत सीधे उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखें और प्रत्येक मामले की तथ्यात्मक जांच कर कार्रवाई करें।

समय से न पहुंचने की शिकायतों पर कार्रवाई, वेतन रोकने के निर्देश

सीडीओ के औचक निरीक्षण से दफ्तरों में मची हलचल

हलचल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों की समय से उपस्थिति को लेकर मिल रही शिकायतों के बीच बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी आनंद शुक्ला ने कई विभागों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण की सूचना मिलते ही विभिन्न कार्यालयों में हलचल तेज हो गई। मुख्य विकास अधिकारी ने खादी एवं ग्रामोद्योग कार्यालय, सीडीपीओ अकबरपुर कार्यालय, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, जल निगम समेत अन्य विभागीय कार्यालयों का निरीक्षण

किया। इस दौरान कई स्थानों पर अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं मिले। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका, कार्यालय संचालन व्यवस्था और कर्मचारियों की मौजूदगी की भी जांच की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्यालयों का संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा आम जनता के कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को समय से कार्यालय पहुंचने तथा निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में अनुपस्थित पाए गए अधिकारियों के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न होने की चेतावनी भी दी गई। औचक निरीक्षण के बाद विभिन्न विभागों में दिनभर इसकी चर्चा रही। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि कार्यालयों में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आगे भी इस प्रकार के निरीक्षण जारी रहेंगे।

कई कार्यालयों में अधिकारी मिले अनुपस्थित

अनुपस्थित अधिकारियों पर जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान कुछ कार्यालयों में जिम्मेदार अधिकारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी जताई और दूरभाष के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया। उन्होंने समय पालन को लेकर सख्त निर्देश भी दिए।

बताया गया कि सरकारी कार्यालयों में देर से पहुंचने और नियमित उपस्थिति न होने की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं। इन्हीं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने बिना पूर्व सूचना निरीक्षण किया।

जनगणना में सही जातीय दर्जीकरण की मांग एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अधिकारियों ने निष्पक्ष प्रक्रिया का दिया भरोसा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आलापुर तहसील में गोंड समाज के प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी सुभाष सिंह और तहसीलदार पद्मेश श्रीवास्तव से मुलाकात कर जनगणना से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने जनगणना के दौरान जातीय विवरण सही ढंग से दर्ज किए जाने की मांग उठाई। ज्ञापन में गोंड समाज ने मांग की कि धुरिया उपजाति को कहार श्रेणी में दर्ज न किया जाए। प्रतिनिधियों का कहना था कि धुरिया, गोंड समाज की उपजाति है और जनगणना में इसे उसी रूप में अनुसूचित जाति वर्ग के अंतर्गत दर्ज किया जाना चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से कहा कि जनगणना के दौरान किसी भी समुदाय के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा बताई गई जाति

और उपजाति के आधार पर ही उसका विवरण दर्ज किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद या भ्रम न उत्पन्न हो। प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण सरकारी प्रक्रिया है और इसमें दर्ज की गई जानकारी का प्रभाव विभिन्न प्रशासनिक और सामाजिक योजनाओं पर पड़ता है। इसलिए आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उपजिलाधिकारी और तहसीलदार ने प्रतिनिधिमंडल की बात सुनी और भरोसा दिलाया कि जनगणना कार्य को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचने के लिए संबंधित प्रगणकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

तहसीलदार पद्मेश श्रीवास्तव ने लोगों से जनगणना कार्य में सहयोग करने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। वहीं उपजिलाधिकारी सुभाष सिंह ने कहा कि प्रशासन सभी नागरिकों के हितों के प्रति संवेदनशील है और जनगणना प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुसार पूरा कराया जाएगा।

भंडारे में हंगामे का आरोप, आबकारी विभाग के सिपाही पर अभद्रता का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर क्षेत्र की पुरानी तहसील स्थित हनुमान मंदिर के निकट आयोजित भंडारे में मंगलवार देर शाम उस समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब आबकारी विभाग में तैनात एक सिपाही पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगा। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में नाराजगी देखने को मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे थे। इसी दौरान आबकारी विभाग में तैनात सिपाही धर्मेंद्र कुमार तिवारी वहां पहुंचे। मौजूद लोगों का आरोप है कि उन्होंने कुछ लोगों से अभद्र भाषा का प्रयोग किया, जिससे कार्यक्रम का माहौल प्रभावित हो गया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, स्थिति बिगड़ने पर कई लोगों ने सिपाही को समझाने और शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि कुछ समय तक विवाद की स्थिति बनी रही। इस दौरान भंडारे में मौजूद महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य

हनुमान मंदिर के निकट आयोजित कार्यक्रम में कुछ देर के लिए बनी असहज स्थिति

श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी क्षेत्र में फैलने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई और भंडारे का आयोजन पूर्ववत जारी रहा।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में मर्यादित व्यवहार बनाए रखना आवश्यक है।

फिलहाल मामले को लेकर विभिन्न चर्चाएं जारी हैं।

राहत : शासन की स्वीकृति से विद्युत व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी

टांडा विधानसभा क्षेत्र में 24 से अधिक नए ट्रांसफार्मरों को मंजूरी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। टांडा विधानसभा क्षेत्र के लोगों और व्यापारियों के लिए विद्युत व्यवस्था को लेकर राहत की खबर है। उत्तर प्रदेश शासन ने बिजनेस प्लान के तहत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 24 से अधिक नए विद्युत ट्रांसफार्मरों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। यह स्वीकृति टांडा विधायक राममूर्ति वर्मा के प्रस्ताव पर दी गई है।

विधानसभा क्षेत्र के कई बाजारों, व्यावसायिक क्षेत्रों और घनी आबादी वाले इलाकों में लंबे समय से बिजली की मांग लगातार बढ़ रही थी। इसके कारण कई ट्रांसफार्मरों पर अतिरिक्त भार पड़ रहा था। इससे लो-वोल्टेज, फाल्ट और विद्युत आपूर्ति बाधित होने

जैसी समस्याएं सामने आ रही थीं।

क्षेत्र के उपभोक्ताओं और व्यापारियों की ओर से भी समय-समय पर विद्युत व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई जा रही थी। इन समस्याओं को देखते हुए विधायक राममूर्ति वर्मा ने शासन स्तर पर नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना का प्रस्ताव भेजा था। नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना से बाजारों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं को भी बार-बार आने वाली तकनीकी समस्याओं और लो-वोल्टेज जैसी परेशानियों से राहत मिलने की संभावना है। क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होने से दैनिक गतिविधियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। विधायक राममूर्ति वर्मा ने कहा कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि नई विद्युत परियोजनाओं के लागू होने से बिजली व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र के व्यापार, उद्योग तथा आम जनजीवन को लाभ होगा।

शासन की मंजूरी के बाद क्षेत्र के व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना से बिजली संबंधी समस्याओं में कमी आएगी और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होगा।

विभिन्न स्थानों पर लगाए जाएंगे नए ट्रांसफार्मर

शासन से मंजूरी मिलने के बाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। इससे विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा और मौजूदा ट्रांसफार्मरों पर दबाव कम होगा।

विद्युत विभाग की ओर से स्वीकृत परियोजना के तहत निर्धारित स्थानों पर स्थापना की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। नए ट्रांसफार्मरों के चालू होने के बाद बिजली आपूर्ति व्यवस्था को अधिक सुचारु बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

पाइपलाइन बिछी, सड़क उखड़ी वार्ड-16 में बढ़ी लोगों की परेशानी

जल जीवन मिशन के कार्य के बाद सड़क क्षतिग्रस्त

तमसा संकेत, संवाददाता

आलापुर, अंबेडकरनगर। नगर पंचायत जहांगीरगंज के वार्ड संख्या-16 में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। पाइपलाइन डालने के लिए सड़क खोदने के बाद उसकी मरम्मत नहीं कराई गई, जिससे मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क की खुदाई के दौरान निकला मलबा नालियों में भर गया। इसके कारण नालियों का पानी सुचारु रूप से नहीं निकल पा रहा है। कई स्थानों पर गंदा पानी सड़क पर बहने लगा है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि संबंधित सड़क का निर्माण कुछ समय पहले ही कराया गया था। पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क को पूर्व स्थिति में बहाल किया जाना

था, लेकिन अब तक मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हुआ है।

बरसात का मौसम करीब होने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। नालियों में जमा मलबा और क्षतिग्रस्त सड़क वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या को बढ़ा सकती है।

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी उमेश कुमार पासी ने बताया कि सड़क और नालियों की स्थिति को लेकर संबंधित ठेकेदार को कई बार अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी जाएगी, ताकि सड़क की मरम्मत और नालियों की सफाई का कार्य जल्द कराया जा सके।

सम्पादकीय

शहरों की बिगड़ती सूरत

देश की राजधानी में एक पांच मंजिला भवन गिरने से छह लोगों की मौत और कई के घायल होने के बाद भवन स्वामी की गिरफ्तारी करने के साथ ही नगर निगम के दो इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया। इसके अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जांच के आदेश भी दे दे गिए। इस घटना के बाद नगर निगम यह जानने की कोशिश कर रहा है कि आखिर शिकायतों के बाद भी उक्त इमारत में अतिरिक्त मंजिल का अवैध निर्माण कैसे हो रहा था? वह अन्य ऐसी ही इमारतों की छानबीन में भी जुट गया है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि आगे ऐसी घटनाएं नहीं होंगी और अवैध निर्माण का सिलसिला बंद होगा, क्योंकि यदि ऐसा होना होता तो बहुत पहले हो गया होता। आखिर दिल्ली में ऐसी कोई इमारत पहली बार नहीं गिरी, जो अवैध रूप से बनी थी या निर्मित की जा रही थी। ऐसी न जाने कितनी घटनाएं हो चुकी हैं और फिर भी नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। ऐसा इसीलिए है, क्योंकि नगर निकाय के अधिकारी-कर्मचारी कुछ ले-देकर अवैध निर्माण होने देते हैं। वे पैसों के लालच में भवन निर्माण संबंधी नियम-कानूनों की अनदेखी करते हैं। इस मामले में जो स्थिति दिल्ली की है, वही शेष देश की भी है। हमारे हर छोटे-बड़े शहर में अवैध एवं बेतरतीब निर्माण हो रहा है। यह स्थानीय निकायों के संरक्षण और उनकी जानकारी में होता है। इसी कारण शहरों में अवैध तरीके से रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों का निर्माण होता रहता है। स्थिति यह है कि जो पुराने भवन दो-तीन मंजिल के होते हैं, वे जर्जर होने के बाद भी अवैध निर्माण के सहारे चार-पांच मंजिलों में तब्दील कर लिए जाते हैं। इससे क्षेत्र विशेष में आबादी का दबाव बढ़ने के साथ नागरिक सुविधाओं का अभाव भी बढ़ता है। अपने देश में ऐसा कोई नियम ही नहीं कि किसी इलाके में कितनी आबादी रहनी चाहिए। इससे भी बड़ी त्रासदी यह है कि हर कहीं रिहायशी इलाके व्यावसायिक इलाकों में तब्दील हो रहे हैं। देश भर में घरों में दुकानें बनाने की होड़ सी कायम है। ऐसा पुराने मोहल्लों के साथ नए मोहल्लों में भी हो रहा है। इसी कारण हमारे शहर बेतरतीब विकास का पर्याय बन गए हैं और वे नागरिक सुविधाओं के अभाव के साथ प्रदूषण एवं गंदगी से घिरते जा रहे हैं। अनियोजित शहर नगरीय जीवन को केवल कष्टकारी ही नहीं बनाते, बल्कि वे विकास में बाधक भी बनते हैं। आज के युग में शहर आर्थिक विकास के इंजन हैं, लेकिन तभी, जब उनका नियोजित ढंग से विकास हो। विडंबना यह है कि जिन नगर निकायों की पहली जिम्मेदारी शहरों के नियोजित विकास को सुनिश्चित करना है, वे उसका ही निर्वाह करने में बुरी तरह नाकाम हैं। यदि शहरों की सूरत संवारनी है और उन्हें विकास का वाहक बनाना है तो स्थानीय निकायों के कामकाज के तौर-तरीकों को पूरी तरह बदलना होगा।

जीवन में उतार चढ़ाव आते हैं

जीवन में उतार- चढ़ाव आते हैं । उतार-चढ़ाव तो जिन्दगी का स्वभाव है। जीवन तो उतार-चढ़ाव का बहाव है । वह कभी आनंद में बीतता है तो कभी दुःखों का पहाड़ टूट पड़ता है ।ऐसे में आदमी बहुत बार मायूस हो कर मन से हार मानने लगता है । वह रेल की पटरी की तरह जीवन की रेल कभी भी सीधी सपाट नहीं चलती हैं । इसीलिए जिन्दगी की तुलना सागर की लहरों से की जाती है । लहरें कभी भी बिना उतार-चढ़ाव के नहीं चलती हैं । वे सर्वदा लगातार उतार-चढ़ाव की चाल से चलती हैं। वह हार कर कभी ठहर नहीं जाती हैं । वह कितनी ही बार हो चाहे उतार फिर उठ जाती हैं और चलती ही जाती हैं । प्रवेश और प्रस्थान ज़िन्दगी में होता ही रहता हैं । हम ज़िन्दगी में आने वाले उतार- चढ़ाव में संतुलन रखें । हम परिस्थितियों से कभी घबराएं नहीं । वह आत्मविश्वास को जीवित रखने वाला आगे बढ़ सकता हैं । जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं । एक ही धार में किसी का भी जीवन चले कुदरत का स्वभाव ऐसा नहीं होता । पर हम बुद्धिजीवियों को इन उतार-चढ़ाव के बहाव का हमारे जीवन पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ने देना चाहिए । बुद्धिमानों की शालीनता इसी में है कि हम कठिन समय में घबराएं नहीं, अपना सर विवेकपूर्वक ऊंचा रखें जबकि सफलता की खुशी के समय में अतिशय उछल-कूद न कर अपना सिर शालीनता व विनम्रता से नीचा रखें। शालीन पुरुषों की शालीन विधा यही होनी चाहिए। हमारे जीवन का हर पल सही शक्ति से आगे बढ़ धर्म के प्रति समर्पित रहें । विनय- वात्सल्य की परम्परा हमारे घर - परिवारों में प्रवेश हो यह आवश्यक हैं । सौहार्द-प्रेम से वातावरण आनन्दमय बन जाता हैं । वह हर व्यक्ति आनन्दों वर्षंति वर्षंति की भावना करें और अनुप्रेक्षा करें । वह हमारे चित्त चैतन्य में आनन्द की वर्षा होती रहें । वह चित्त की निर्मलता में वृद्धि हों । रेल की पटरी शुरू से अंत तक एकसी समानांतर चलती है। पर जीवन की पटरी में अकस्मात न जाने कितने बदलाव आ जाते हैं। ऐसी जिन्दगी किसी की भी नहीं होती जो शुरू से अंत तक हमेशा एक ही जैसी रहती हैं । हमको कभी-कभी कुछ ऐसे धक्के भी लगते हैं जो चलती जिन्दगी को पूरी तरह हिला कर रख देते हैं।

› प्रदीप छाजेड़

नशा : राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

> नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है।

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके।

– ललित गर्ग

इस प्रकार पर्यावरण...

बाबूलाल नागा

धान का मूल्य, जीवन का आधार

हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि मानव समाज को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराने का अवसर है। जल, जंगल, जमीन, स्वच्छ वायु और जैव विविधता केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं, बल्कि जीवन के मूल आधार हैं। यदि प्रकृति संतुलित रहेगी तो मानव जीवन सुरक्षित रहेगा, और यदि पर्यावरण संकट में होगा तो विकास, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता भी प्रभावित होगी। यही कारण है कि पर्यावरण संरक्षण आज केवल एक सामाजिक या वैज्ञानिक विषय नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों और नागरिक दायित्वों से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न बन चुका है।

भारतीय संविधान का उद्देश्य केवल शासन व्यवस्था संचालित करना नहीं, बल्कि ऐसा समाज बनाना है जिसमें प्रत्येक नागरिक सम्मानजनक, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जी सके। स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और प्रदूषणमुक्त वातावरण के बिना जीवन के अधिकार की कल्पना अधूरी है। संविधान की इसी भावना को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1976 में 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया। संविधान के अनुच्छेद 48(क) में राज्य को पर्यावरण की रक्षा और सुधार करने तथा वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण का दायित्व सौंपा गया है। वहीं अनुच्छेद 51(क)(ग) प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य निर्धारित करता है कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन करे तथा जीव-जंतुओं के प्रति करुणा का भाव रखे।

इस प्रकार पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक दायित्व भी है। संविधान स्पष्ट संदेश देता है कि प्रकृति और मानव जीवन एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। पर्यावरण की सुरक्षा करना दरअसल जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा करना है।

भारतीय न्यायपालिका ने भी पर्यावरण को जीवन के अधिकार से जोड़ते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक मामलों में कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रदत्त जीवन के अधिकार में स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण में जीने का अधिकार भी शामिल है। यदि किसी व्यक्ति को स्वच्छ पानी, स्वच्छ हवा और प्रदूषणमुक्त वातावरण उपलब्ध नहीं है, तो उसके मौलिक अधिकार प्रभावित होते हैं। इस दृष्टि से पर्यावरण संरक्षण केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव अधिकारों का भी विषय है। वर्तमान समय में पर्यावरणीय संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, जल स्रोतों का प्रदूषण, भूजल स्तर में गिरावट, वनों की कटाई और जैव विविधता का क्षरण पूरी दुनिया के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। कई क्षेत्रों में जल संकट गहरा रहा है, गर्मी के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं और अनियमित वर्षा के कारण कृषि तथा जनजीवन प्रभावित हो रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। आधुनिक विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो पर्यावरण को नष्ट कर दे, अंततः मानव समाज के लिए ही संकट पैदा करता है। बड़े उद्योग, खनन परियोजनाएं, शहरी विस्तार और उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डाल रही है। इसलिए आज आवश्यकता ऐसे विकास मॉडल की है जो आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करे। सतत विकास की अवधारणा इसी दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करती है। विकास की प्रत्येक योजना में पर्यावरणीय प्रभावों का गंभीर मूल्यांकन होना चाहिए और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस का महत्व इसी संदर्भ में और अधिक बढ़ जाता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी केवल वर्तमान पीढ़ी की संपत्ति नहीं है। हम इसे अपने पूर्वजों से विरासत में नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों से उधार लेकर उपयोग कर रहे हैं। इसलिए पर्यावरण संरक्षण का प्रश्न केवल आज का नहीं, बल्कि भविष्य का भी है। यदि हम अभी से प्रकृति के प्रति जिम्मेदार नहीं बनेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को जल, वायु और खाद्य सुरक्षा जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल सरकारी नीतियां पर्याप्त नहीं हैं। जनभागीदारी और सामाजिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक का कम उपयोग, ऊर्जा की बचत, जैव विविधता की रक्षा और स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं।

भारत में यह ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

आखिर क्यों राजनीतिक विकल्प की निरंतर तलाश में हैं भारतीय नागरिक

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे जनता की मनःस्थिति, अपेक्षाओं, निराशाओं और आकांक्षाओं का सामूहिक प्रतिबिंब भी होते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रवृत्ति लगातार दिखाई दे रही है — जनता पारंपरिक राजनीतिक दलों से परे नए विकल्पों की तलाश कर रही है। कभी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बीच "आम आदमी पार्टी" तेजी से उभरती है, कभी दक्षिण भारत में अभिनेता विजय की "टीवीके" नई पीढ़ी की उम्मीद बनती दिखाई देती है, और कभी सोशल मीडिया पर "कॉकरोच जनता पार्टी" जैसे व्यंग्यात्मक अभियान लाखों लोगों का ध्यान आकर्षित करने लगते हैं। यह केवल राजनीतिक प्रयोगों की कहानी नहीं है, बल्कि उस गहरे सामाजिक और मनोवैज्ञानिक असंतोष का संकेत है जो भारतीय समाज के भीतर धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। लोकतंत्र में जनता हमेशा परिवर्तन चाहती है, लेकिन जब यह परिवर्तन की इच्छा लगातार बेचैनी और असंतोष में बदलने लगे, तब यह केवल राजनीतिक घटना नहीं रहती, बल्कि सामाजिक चेतावनी बन जाती है। भारत का मतदाता आज पहले की तुलना में अधिक जागरूक, अधिक सूचनासंपन्न और अधिक अधीर हो चुका है। वह केवल भाषणों और नारों से संतुष्ट नहीं होता। वह अपने जीवन में वास्तविक बदलाव देखना चाहता है। यदि उसे लगता है कि उसकी समस्याएँ लगातार बनी हुई हैं, तो वह नए विकल्पों की ओर देखने लगता है। यही कारण है कि भारतीय राजनीति में स्थायी राजनीतिक निष्ठा धीरे-धीरे कमजोर हो रही है और मतदाता समय-समय पर नए चेहरों, नए आंदोलनों और नए प्रतीकों की ओर आकर्षित होता दिखाई देता है।

भारत में यह स्थिति अचानक उत्पन्न नहीं हुई। इसके पीछे लंबे समय से जमा होती सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक निराशाएँ हैं। बेरोजगारी आज देश के सबसे बड़े संकटों में से एक बन चुकी है। लाखों शिक्षित युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन सीमित अवसरों और अनिश्चित व्यवस्थाओं के कारण निराशा का सामना करते हैं। अनेक युवाओं को यह महसूस होता है कि शिक्षा प्रणाली उन्हें रोजगार योग्य नहीं बना पा रही। दूसरी ओर महँगाई, अस्थिर रोजगार, छोटे व्यापारों की चुनौतियाँ और बढ़ती आर्थिक असमानता मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के भीतर गहरी बेचैनी पैदा कर रही हैं। जनता यह देखती है कि राजनीतिक दल चुनावों में बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन आम नागरिक के जीवन में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाता। यही निराशा धीरे-धीरे वैकल्पिक राजनीति की तलाश में बदल जाती है। "आम आदमी पार्टी" का उदय इसी जनभावना का परिणाम था। 2011 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान देशभर में व्यवस्था के प्रति असंतोष खुलकर सामने आया। जनता को लगा कि पारंपरिक राजनीतिक दल भ्रष्टाचार के प्रश्न पर गंभीर नहीं हैं। इसी वातावरण में "आम आदमी पार्टी" ने स्वयं को व्यवस्था परिवर्तन के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। दिल्ली की राजनीति में उसकी तेज सफलता ने यह साबित किया कि यदि जनता को नया विकल्प विश्वसनीय लगता है, तो वह पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों को भी बदल सकती है।

जरा हटके

भारत और नेपाल...

राजेश जैन

दोस्ती, दूरी और ड्रैगन: बदलते भारत-नेपाल संबंधों की कहानी

दक्षिण एशिया की राजनीति में भारत और नेपाल का रिश्ता सबसे अनोखा, जटिल और सबसे भावनात्मक रिश्तों में से एक माना जाता है। दुनिया में बहुत कम ऐसे पड़ोसी देश हैं जिनके बीच सीमाएं भी खुली हों और समाज भी इतने गहरे स्तर पर जुड़े हों। भारत और नेपाल का संबंध केवल दो सरकारों का संबंध नहीं है; यह सदियों से साझा संस्कृति, धर्म, भाषा, व्यापार, परंपराओं और मानवीय रिश्तों का जीवंत उदाहरण रहा है लेकिन यही रिश्ता समय-समय पर अविश्वास, राष्ट्रवाद, सीमा विवाद और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की वजह से तनावपूर्ण भी हो जाता है।

हाल के दिनों में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के एक बयान ने फिर यही सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर भारत-नेपाल संबंध बार-बार सीमा विवाद और राजनीतिक असहजता के मोड़ पर क्यों पहुंच जाते हैं। बालेन शाह ने नेपाली संसद में कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा कर रखा है। बयान के बाद नेपाल की संसद में हंगामा मच गया। विपक्ष ने उनसे सबूत मांगे, विदेश मंत्रालय को सफाई जारी करनी पड़ी और सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। पहली नजर में यह एक सामान्य राजनीतिक बयान लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह उस गहरे बदलाव का संकेत है जो पिछले कुछ वर्षों में भारत-नेपाल संबंधों में दिखाई दे रहा है। यह केवल सीमा विवाद का मामला नहीं है। इसके पीछे राष्ट्रवाद, भू-राजनीति, चीन की

बढ़ती भूमिका, नेपाल की नई राजनीतिक सोच और भारत की पारंपरिक पड़ोसी नीति से जुड़ी कई परतें मौजूद हैं।

भारत और नेपाल का रिश्ता आधुनिक सीमाओं से कहीं पुराना है। हिमालय से गंगा के मैदान तक फैली सांस्कृतिक धारा ने दोनों देशों को हजारों वर्षों से जोड़े रखा है। नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर और भारत की काशी के बीच धार्मिक संबंध हों या जनकपुर और अयोध्या का सांस्कृतिक जुड़ाव-दोनों देशों ने हमेशा एक-दूसरे को प्रभावित किया है। नेपाल के लाखों नागरिक भारत में शिक्षा प्राप्त करते हैं, रोजगार करते हैं और व्यापार से जुड़े हैं। भारतीय शहरों में नेपाली समुदाय सहज रूप से घुला-मिला दिखाई देता है। भारत की सेना में गोरखा रेजिमेंट का गौरवपूर्ण इतिहास दोनों देशों के भरोसे और साझेदारी का प्रतीक रहा है। खुली सीमा ने इस रिश्ते को और विशेष बनाया है। दुनिया के अधिकांश देशों के विपरीत भारत और नेपाल के नागरिक बिना वीजा और पासपोर्ट के एक-दूसरे के यहां आ-जा सकते हैं। यही वजह है कि भारत-नेपाल संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक संबंध भी हैं। राजनीतिक तनाव पैदा हो सकते हैं लेकिन जनता के स्तर पर अपनापन अक्सर बना रहता है।

1950 की संधि

भारत-नेपाल संबंधों की आधुनिक संरचना काफी हद तक 1950 की भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि पर आधारित है। इस संधि का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग, व्यापार और नागरिक आवाजाही को आसान बनाना था। उस समय चीन में कम्युनिस्ट क्रांति और हिमालयी क्षेत्र की बदलती भू-राजनीति को देखते हुए भारत नेपाल को अपनी सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता था। इस संधि ने नेपाल को भारत के साथ विशेष आर्थिक और सुरक्षा संबंध दिए। व्यापार, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़े। लेकिन समय के साथ नेपाल में यह धारणा मजबूत होने लगी कि यह संधि बराबरी के आधार पर नहीं बनी थी। नेपाल के कई राजनीतिक दल और बुद्धिजीवी इसे "असमान संधि" बताते रहे हैं। भारत इस संधि को सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग के लिए महत्वपूर्ण मानता है, जबकि नेपाल इसे अपनी संप्रभुता और स्वतंत्र विदेश नीति से जोड़कर देखता है। यही कारण है कि संधि की पुनर्समीक्षा की मांग समय-समय पर उठती रहती है।

भारत और नेपाल के बीच सबसे संवेदनशील मुद्दा सीमा विवाद का है। कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता जैसे क्षेत्रों को लेकर दोनों देशों के दावे अलग-अलग हैं। नेपाल का कहना है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार महाकाली नदी के उद्गम के आधार पर सीमा तय होनी चाहिए, जबकि भारत बाद के प्रशासनिक नियंत्रण और पुराने नक्शों का हवाला देता है।

यह विवाद 2020 में सबसे ज्यादा उभरा, जब भारत ने नया राजनीतिक नक्शा जारी किया। इसके जवाब में नेपाल ने संविधान संशोधन कर नया नक्शा पारित किया, जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया। नेपाल में इसे राष्ट्रीय अस्मिता का मुद्दा बना दिया गया। सड़कों पर प्रदर्शन हुए और भारत विरोधी भावना तेज हो गई।

भारत इन क्षेत्रों को अपनी रणनीतिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानता है क्योंकि ये चीन सीमा के बेहद करीब स्थित हैं। मानसरोवर यात्रा और सीमा व्यापार के लिहाज से भी लिपुलेख का विशेष महत्व है। दूसरी ओर नेपाल इसे अपनी संप्रभुता का प्रश्न मानता है। बालेन शाह का हालिया बयान भी इसी राजनीतिक वातावरण की उपज माना जा रहा है। उन्होंने ब्रिटेन की संभावित भूमिका का जिक्र कर नया विवाद खड़ा कर दिया।

सपा प्रमुख बोले- साइकिल ट्रैक और साइकिल हाईवे पर्यावरण व जनस्वास्थ्य सुधार का था विजनरी प्रयास

भाजपा ने सपा सरकार की विकास परियोजनाओं को किया बर्बाद

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार का रवैया साइकिल और उससे जुड़ी योजनाओं के प्रति सकारात्मक नहीं रहा है। समाजवादी पार्टी का चुनाव चिह्न साइकिल होने के कारण भाजपा राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित होकर इन परियोजनाओं को महत्व नहीं देती। जबकि साइकिल किसी एक दल का नहीं बल्कि आम आदमी, पर्यावरण और स्वस्थ समाज का प्रतीक है।

आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने भाजपा सरकार पर समाजवादी सरकार के दौरान शुरू की गई विकास परियोजनाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने प्रदेश में आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे, लेकिन भाजपा सरकार ने इन योजनाओं को आगे बढ़ाने के बजाय उन्हें उपेक्षा का शिकार बना दिया।

बुधवार को जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार ने पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य सुधार और लोगों को साइकिलिंग के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से लखनऊ सहित प्रदेश के कई शहरों में साइकिल ट्रैक विकसित किए थे। इसके साथ ही आगरा से इटावा के बीच 207 किलोमीटर लंबा साइकिल हाईवे भी बनाया गया था, जो विश्व प्रसिद्ध ताजमहल और इटावा लायन सफारी को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना देश में अपनी तरह की अनूठी पहल थी, जिसका उद्देश्य प्रदूषण कम करना, ईंधन की खपत घटाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने विकास को केवल सड़क, भवन और पुलों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और जनस्वास्थ्य को भी विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा माना।

बुनियादी ढांचे की लगातार अनदेखी

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल में साइकिलिंग को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए बुनियादी ढांचे की लगातार अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि जिस वेलोड्रोम और अन्य सुविधाओं का उपयोग खिलाड़ियों और युवाओं को बेहतर अवसर देने के लिए होना चाहिए था, वे आज उपेक्षा और ठहराव का प्रतीक बन गए हैं। इससे न केवल खेल गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, बल्कि सरकार की विकास के प्रति सोच भी उजागर होती है।

भारत में साइकिल का विकास लंबे समय से आम जनता के जीवन का हिस्सा रहा

अखिलेश यादव ने साइकिल के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में साइकिल का विकास लंबे समय से आम जनता के जीवन का हिस्सा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1951 में बड़ी संख्या में साइकिलें विदेशों से आयात की गई थीं और बाद में देश में इसके पुर्जों का निर्माण शुरू हुआ। वर्ष 1953 में आगरा में साइकिल के कलपुर्जे बनाने का पहला कारखाना स्थापित किया गया था। इससे स्पष्ट होता है कि साइकिल भारत की सामाजिक और आर्थिक प्रगति से भी जुड़ी रही है।

मनरेगा के तहत खेल मैदानों के निर्माण से यूपी की निखर रही खेल प्रतिभाएं

- मनरेगा के तहत बन रहे खेल मैदानः ग्रामीण प्रतिभा और श्रमिकों को मिल रहा दोहरा लाभ
- नई प्रतिभाएं निखरने के साथ मनरेगा श्रमिकों को मिल रहा रोजगार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने, दक्ष,और सक्षम बनाने के लिए ग्रामीण अंचल में खेलकूद का आधारभूत ढ़ाचा मजबूत करने के लिए मनरेगा योजनान्तर्गत ग्रामीण अंचल में खेल मैदान बनाये जा रहे हैं। गांवों में स्टेडियम व ओपेन जिम बनाकर खेल प्रतिभाओं को सरकार प्रोत्साहन दे रही है। युवा पीढ़ी गांवो के खेल मैदानों से निखर और संवर कर अपने गांव घर का नाम रोशन करेंगी और गांवों की खेल प्रतिभाएं, दुनिया में भारत का परचम लहरायेगीं। मनरेगा योजनान्तर्गत स्टेडियम,ओपेन जिम, खेल मैदान और पार्क गांवों में बनाये जा रहे हैं और इनका उपयोग भी किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में खेल को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण इलाकों में खेल मैदान बनाए जा रहे हैं। इससे गांवों में नई प्रतिभाएं तो निखर ही रही है साथ ही मनरेगा के तहत इन मैदान का निर्माण होने की वजह से श्रमिकों को निरंतर रोजगार भी मिल रहा है। इस पहल का उद्देश्य बेहतर स्वास्थ्य और समग्र सामुदायिक विकास के लिए स्कूली छात्रों और गांव के अन्य सदस्यों के बीच खेलों को प्रोत्साहित करना है। खेल मैदानों में रनिंग ट्रैक बनने से ग्रामीण अँचलों में रहने वाला युवा आर्मी, पैरा मिलिट्री फोर्स, पुलिस, सीआरपीएफ इत्यादि की तैयारी अपने गांव में ही रहकर कर रहे हैं। ग्राम्य विकास विभाग की इस योजना के चलते खेल मैदान बनने से गांव के युवाओं को मैदान में ही दौड़ लगाने के साथ शारीरिक अभ्यास करने में भी मदद मिल रही है।

फास्ट न्यूज

फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाकर करोड़ों की हेराफेरी करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर सैकड़ों अपात्र लोगों के फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाकर सरकारी धन हड़पने वाले एक और आरोपी को एसटीएफ ने बुद्धेश्वर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। इस गिरोह के दो सदस्यों को 17 जून 2025 को प्रयागराज और सात अन्य सदस्यों को 24 दिसंबर 2025 को लखनऊ से गिरफ्तार किया जा चुका है।

कंटेनर ने दंपती को टक्कर मारी, महिला की मौत

बख्शी का तालाब। लखनऊ के महिंगवां थाना क्षेत्र में बुधवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कुम्हारवा रोड पर तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से साइकिल सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने करीब 5 घंटे तक सड़क जाम करके हंगामा किया। स्थानीय विधायक योगेश शुक्ला और एसीपी बीकेटी विकास पांडेय ने लोगों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने कंटेनर और चालक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

बर्थडे-पार्टी में बुकिंग के बहाने हुई लूट का खुलासा

लखनऊ । लखनऊ के इटौंजा में वीडियोग्राफर से लाखों रुपए के कैमरे और अन्य उपकरण लूटने की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया। स्वाट और सर्विलांस टीम के साथ इटौंजा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लूट का सामान बरामद किया। मामले में चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि पीड़ित के साथ काम करने वाला सहयोगी ही घटना का मास्टरमाइंड निकला।

टीजीटी परीक्षा के पहले दिन 2.21 लाख से अधिक अभ्यर्थी हुए शामिल

- टीजीटी परीक्षा का प्रथम दिन शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न, एआई तकनीक से हुई कड़ी निगरानी
- एआई आधारित निगरानी में 11 फर्जी परीक्षार्थी चिन्हित, 9 गिरफ्तार
- 36 जनपदों के परीक्षा केन्द्रों पर 8 विषयों की परीक्षा सम्पन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 01/2022 के अंतर्गत प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 3539 पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा का प्रथम दिन बुधवार को प्रदेश के 36 जनपदों में शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न हुआ। परीक्षा के लिए कुल 8,68,531 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षा 03 एवं 04 जून 2026 को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जा रही है।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि 03 जून 2026 दिन बुधवार को प्रथम पाली में सामाजिक विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, विज्ञान एवं उर्दू विषय तथा द्वितीय पाली में हिन्दी, गणित, कृषि एवं संगीत गायन विषय की परीक्षा आयोजित की गई। प्रथम पाली की परीक्षा प्रदेश के 514 परीक्षा केन्द्रों तथा द्वितीय पाली की परीक्षा 508 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुई।

उन्होंने बताया कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग मुख्यालय में स्थापित एआई इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड रूम से सभी परीक्षा केन्द्रों की सतत निगरानी की गई। आयोग के सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एआई कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई।

लखनऊ-हरदोई सीमा पर विकसित हो रहे 1000 एकड़ के मेगा प्रोजेक्ट की प्रगति की गई समीक्षा

योगी सरकार के टेक्सटाइल हब विजन को मिल रही गति

- मंत्री राकेश सचान ने पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण
- सड़क, विद्युत, जलापूर्ति एवं अन्य आधारभूत ढांचा कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी औद्योगिक एवं टेक्सटाइल केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, रेशम तथा खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने मंगलवार को जनपद लखनऊ एवं हरदोई की सीमा पर विकसित किए जा रहे पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। लगभग 1000 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना के विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, वन विभाग, यूपीएसआईसी तथा हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग के अधिकारियों ने परियोजना की प्रगति से मंत्री सचान को अवगत कराया। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण एवं संपर्क मार्गों के विकास की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की गई, जिस पर मंत्री ने कार्यों को और अधिक गति देने के निर्देश दिए।

मंत्री सचान ने यूपीएसआईसी को पार्क क्षेत्र में कटान किए गए वृक्षों के अवशेषों की जड़ सहित सफाई शीघ्र पूर्ण कराने तथा हथकरघा विभाग को झाड़-झंखाड़ हटाने का कार्य तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए।

मंत्री सचान ने पार्क परिसर में निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल, प्रवेश द्वार, विद्युत उपकेंद्र, आंतरिक आधारभूत संरचना तथा अन्य विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन किया। इसके बाद आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने परियोजना से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर कार्यों की वर्तमान स्थिति और भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की।

संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर सर्वेक्षण कराए

मंत्री सचान ने निर्देशित किया कि जहां पार्क की बाउंड्री वॉल के कारण आवागमन संबंधी मुद्दे उत्पन्न हो रहे हैं, वहां सभी संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर सर्वेक्षण कराया जाए तथा आवश्यक मार्गों को सड़क निर्माण योजना में शामिल किया जाए। साथ ही जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नाला निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया जाए। उन्होंने अटारी फार्म रोड के सुदृढ़ीकरण तथा निर्माणाधीन छह लेन सड़क को पार्क के मुख्य द्वार से लखनऊ दिशा की ओर प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने के निर्देश दिए।

झोलाछाप डॉक्टर पर इलाज का आरोप, बुखार होने पर परिजन मेडिकल स्टोर लेकर पहुंचे थे

इंजेक्शन लगने के बाद मासूम की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के फैजुल्लागंज स्थित पुराना दाऊदनगर निवासी छह वर्षीय मासूम सौम्या विश्वकर्मा की इंजेक्शन लगाए जाने के बाद मौत हो गई। परिजनों के अनुसार बच्ची को बुखार था, जिसके चलते वे उसे एक क्लीनिक पर लेकर गए थे, जहां डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन लगाया गया। इसके बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ गई।

परिजनों का आरोप है कि इलाके के एक झोलाछाप डॉक्टर द्वारा दिए गए इलाज और दवा के कारण बच्ची की हालत गंभीर हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने क्लीनिक के बाहर हंगामा किया। पुलिस ने मामले में शव का पोस्टमार्टम कराकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुराना दाऊदनगर निवासी अनूप विश्वकर्मा पुताई मजदूर है। जबकि पत्नी गुड़िया गृहणी हैं। 10 साल का बेटा शिवम कक्षा छह का छात्र है। मामा कौशल ने बताया भांजी सौम्या को बीते कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। सोमवार सुबह बुखार तेज हो गया। मां गुड़िया बच्ची को लेकर घर के नजदीक मेडिकल स्टोर पहुंची। मेडिकल स्टोर का संचालन खुद को डॉक्टर बताता था। उसने बच्ची की सेहत की जांच की। एक इंजेक्शन लगाया। तीन खुराक दवा दी। फीस के नाम पर 100 रुपए वसूले। पिता ने मेडिकल स्टोर संचालक पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि झोलाछाप के गलत इलाज से बेटी की सांसें थमी हैं। नाराज परिवारीजन शव लेकर मेडिकल स्टोर पहुंचे। हंगामा शुरू कर दिया। माहौल बिगड़ता देख झोलाछाप मेडिकल स्टोर बंद कर फरार हो गया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह परिवारीजनों को समझाया। इंसाफ का भरोसा दिलाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों का आरोप है कि झोलाछाप हर प्रकार की बीमारी का इलाज करता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि झोलाछाप मेडिकल स्टोर का संचालन करता था। उसमें मरीजों को इलाज मुहैया कराता था। स्टोर में बैठने के दौरान झोलाछाप के गले में हमेशा आला पड़ा रहता था। ताकि लोग उसे डॉक्टर समझे। इलाज कराएं। वह सभी को हमेशा खुद को डॉक्टर बताता था। डिग्री पूछने पर चुप्पी साध लेता था।

शरीर पड़ गया था नीला

घर पहुंचने के बाद मां ने बेटी को दवा की एक खुराक दी। कुछ ही समय बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। उसका शरीर नीला पड़ने लगा और शरीर पर चकत्ते दिखाई देने लगे। उसे पेट में तेज दर्द होने लगा। हालत बिगड़ती देख परिजन उसे आनन-फानन में दूसरे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कुछ देर बाद मासूम सौम्या की मौत हो गई।

लखनऊ में संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत

लखनऊ । लखनऊ के वजीरगंज इलाके में एक विवाहिता घर में फंदे से लटकी मिली। परिजन उसे गंभीर हालत में बलरामपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका के भाई ने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस के मुताबिक, मूल रूप से सीतापुर की रहने वाली पूजा साह (25) की शादी करीब तीन वर्ष पहले वजीरगंज के रिवर बैंक कॉलोनी क्षेत्र निवासी शुभम साह से हुई थी। दंपती का डेढ़ साल का एक बेटा है। शुभम फल का ठेला लगाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। मृतका के भाई विनोद ने आरोप लगाया कि शादी के कुछ समय बाद से ही पूजा को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। उसे आए दिन मारपीट कर मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। मंगलवार शाम परिवार को सूचना मिली कि पूजा ने फांसी लगा ली है।

एंकर पार्टनर का चयन करेगा उद्योग विभाग

- युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए
- सरदार वल्लभभाई पटेल इम्प्लॉयमेंट एवं इंडस्ट्रियल जोन के विकास, संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु 11 जून तक आमंत्रित की गई अभिरुचियां

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश में युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्किल्ड एवं सेमी-स्किल्ड कार्यबल तैयार करने की दिशा में उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय, उत्तर प्रदेश ने महत्वपूर्ण पहल की है।

इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर प्रस्तावित सरदार वल्लभभाई पटेल इम्प्लॉयमेंट एवं इंडस्ट्रियल जोन के विकास, संचालन प्रबंधन एवं क्रियान्वयन के लिए पात्र एवं इच्छुक संस्थाओं से एंकर पार्टनर के चयन हेतु अभिरुचि (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) आमंत्रित की गई है। इच्छुक एवं पात्र संस्थाएं अपनी अभिरुचि 11 जून 2026 तक प्रस्तुत कर सकती हैं। आवेदन एवं अन्य आवश्यक विवरण वेबसाइट https://msme.up.gov.in/ पर उपलब्ध हैं। आयुक्त एवं निदेशक उद्योग के. विजयेन्द्र पाण्डियन ने बताया कि इसका उद्देश्य उद्योगों के लिए आवश्यक स्किल्ड एवं सेमी-स्किल्ड वर्कर्स तैयार करने हेतु आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं का एकीकृत विकास करना है। इसके साथ ही युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण तथा प्लग एंड प्ले सुविधाएं उपलब्ध कराकर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जाएगा।

पूछताछ : शराब पार्टी के बहाने बुलाकर गला घोंटा, केले के खेत में फेंका शव

मामा ने की भांजे की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में आइसक्रीम पॉर्लर संचालक की रिश्ते के मामा ने हत्या कर दी। उसका शव केले के खेत में फेंक दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आरोपी मामा को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

घटना इटौंजा थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव की है। मृतक सचिन सिंह (22) साल इंद्रपुरी कॉलोनी, मड़ियांव का रहने वाला था। सोमवार रात करीब 9 बजे अपने रिश्ते के मामा ब्रजेश सिंह के साथ उसके गांव अकबरपुर आया था।

मंगलवार सुबह सचिन सिंह का शव ब्रजेश के केले के खेत में मिला। मौके से शराब की बोतल भी बरामद हुई। पुलिस की पूछताछ में आया है कि दोनों ने साथ में शराब पार्टी की। इस दौरान किसी बात पर हुए विवाद के बाद मामा ने भांजे का गला घोंटकर हत्या कर दी। हालांकि, हत्या की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हुई।

सत्येंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस और परिजनों के साथ वह लोग अकबपुर में ब्रजेश सिंह के केले के खेत में पहुंचे। वहां सचिन का शव मिला। शरीर पर नेक्कर और बनियान थी। गले पर रस्सी से कसाने का निशान था।

इटौंजा से पकड़ा गया आरोपी ब्रजेश

सत्येंद्र सिंह ने बताया कि ब्रजेश घर से भाग गया था। उसका मोबाइल भी बंद था। उसके परिचितों से पूदताछ की गई तो पता चला कि वह इटौंजा में है। इस पर उसके बड़े भाई पौरुष उसके पास गए। कहा कि उसे कुछ नहीं होने देंगे और उसे बुलाकर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। सत्येंद्र सिंह ने बताया कि सचिन और ब्रजेश रिश्ते के मामा-भांजे थे, लेकिन दोनों बहुत अच्छी दोस्ती थी। दोनों साथ में घूमते-फिरते थे। रिश्तेदारी आदि में भी साथ ही जाते थे। ब्रजेश ने सचिन की किस बात को लेकर हत्या कर दी यह पता नहीं चला है।

घटना स्थल पर परिजन और ग्रामीण जुट गए।

आरोपी के बड़े भाई ने परिजनों को दी सूचना

परिजनों ने बताया कि पौरूष सिंह ने IIM रोड काशीराम कॉलोनी में रहने वाले अपने मामा सतेंद्र सिंह (सचिन के नाना भी हैं) को घटना की जानकारी दी। सतेंद्र सिंह ने इसकी जानकारी राम शंकर सिंह को दी। बेटे की हत्या की खबर सुनकर राम शंकर सिंह सत्येंद्र सिंह यानी अपनी ससुराल पहुंचे। वहां से परिजनों के साथ मड़ियांव थाने गए और पूरा घटनाक्रम बताया।

4 जून को होगा विशेष प्रशिक्षण

सभी जिलों में लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया होगी तेज

- रसोइयों और विद्यालयी कर्मियों के स्वास्थ्य सुरक्षा कवच को मजबूत कर रही योगी सरकार - मंत्री संदीप सिंह
- पीएम पोषण योजना, केजीबीवी एवं परिषदीय विद्यालयों से जुड़े कर्मियों को मिलेगी कैशलेस चिकित्सा सुविधा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक कर्मी के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में परिषदीय विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) तथा पीएम पोषण योजना से जुड़े रसोइयों और अन्य कर्मियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इससे हजारों कर्मियों एवं उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ बिना आर्थिक बोझ के प्राप्त हो सकेगा।

प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षामित्र, विशेष शिक्षक, रसोइया तथा अन्य सहयोगी कार्मिक शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। कैशलेस चिकित्सा सुविधा से लाभार्थियों को समय पर उपचार उपलब्ध होगा और उनके जीवन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना मजबूत होगी।

उन्होंने बताया कि योजना के प्रभावी संचालन एवं लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए 4 जून को शिक्षा निदेशक (बेसिक) कार्यालय, लखनऊ में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से संबंधित अधिकारियों और नामित कार्मिकों को योजना के विभिन्न प्रावधानों, पंजीकरण प्रक्रिया तथा तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। शिक्षा निदेशक बेसिक अनिल भूषण चतुर्वेदी द्वारा इस संबंध में सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रत्येक जनपद में नोडल कार्मिक नामित किए जाएंगे, जो पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण एवं योजना के क्रियान्वयन की निगरानी करेंगे।

करोड़पति परिवार के 4 लोगों की हत्या

घटना

पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंची, गत्ते पर लिखा था- बंटी, बबली और बहू ने मारा

तमसा संकेत, एजेंस

प्रयागराज। प्रयागराज में करोड़पति परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। इनमें पति-पत्नी और उनके बेटा-बेटी शामिल हैं। घर बाहर से बंद था और ताला लगा हुआ था।

मंगलवार दोपहर घर से बदबू आने पर पड़ोसियों को शक हुआ। पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया, आवाज लगाई। लेकिन, कोई जवाब नहीं मिला। तब पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस गेट तोड़कर अंदर पहुंची। एक कमरे में वीरेंद्र कुमार वैश्य (70), उनकी पत्नी अनीता (65) की लाश मिली। पास ही दूसरे कमरे में बेटी मीनाक्षी (40) की लाश पड़ी हुई थी। तीनों के सिर पर गहरे जख्म थे। आसपास काफी खून फैला था, जो सूख चुका था। बेटे अभिषेक (38) की लाश ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान में मिली, जो बाहर से बंद थी। पहले अभिषेक के लापता होने की जानकारी आई थी। तब उसी पर शक गया था कि वह तीनों को मारकर फरार हो गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि वीरेंद्र कुमार वैश्य को आखिरी बार रविवार को देखा था। इसके बाद से न तो वह दिखाई दिए और न ही उनकी पत्नी और बेटी को किसी ने देखा। जिस दो मंजिला मकान में वारदात हुई, वह करीब 8,000 वर्गफुट क्षेत्रफल में बना हुआ है। संपत्ति की अनुमानित कीमत 10 से 15 करोड़ रुपए है।

मौके पर पहुंचे रिश्तेदार अतिन केसरवानी ने कहा कि वीरेंद्र कुमार वैश्य उनके रिश्ते में फूफा लगते थे।

अनीता, मृतका | अभिषेक, मृतक

> पुलिस ने बताया- जिस कमरे में दंपती के शव मिले, वहां एक गत्ता पड़ा था। उस पर लिखा मिला, "बंटी, बबली और बहू ने मारा।" अब परिवार में एक ही बेटा बचा है। वह धोखाधड़ी के केस में इस समय कौशांबी जेल में बंद है। वारदात साउथ मलाका में हीवेट रोड चौराहे की है।

दो मंजिला मकान, नीचे 14 दुकानें

वीरेंद्र कुमार वैश्य का हीवेट रोड चौराहे पर दो मंजिला मकान है। निचले हिस्से में 14 दुकानें हैं। 13 दुकानें किराए पर हैं। ऊपरी हिस्से में वह परिवार के साथ रहते थे। परिवार में पत्नी, बेटी-बेटे के अलावा एक छोटा बेटा अश्विनी था, जो कौशांबी जेल में बंद है। एक दुकान बेटी मीनाक्षी चलाती थी। वह गिफ्ट से जुड़े सामान बेचती थी। उसी दुकान पर वीरेंद्र वैश्य भी बैठा करते थे। बेटा अभिषेक फ्लोर क्लीनिंग के काम से जुड़ा था। मीनाक्षी और अभिषेक की शादी नहीं हुई थी।

पुलिस ने घर का ताला तुड़वाया, लाशें निकलवाईं

मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे पड़ोसियों ने घर से बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि निचली मंजिल से ऊपर जाने का रास्ता खुला था, लेकिन ऊपरी मंजिल का गेट बाहर से बंद था। पुलिस ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

अंदर एक कमरे में वीरेंद्र कुमार और उनकी पत्नी के शव पड़े मिले, जबकि दूसरे कमरे में उनकी बेटी मीनाक्षी का शव मिला। इसके बाद फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया। जांच के बाद पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

प्रयागराज में बेटा ही निकला मां-बाप, बहन का हत्यारा फिर दोस्त ने बेटे को मार डाला, बोला- जो मां-बाप का नहीं, वो मेरा क्या होगा

गैंगस्टर अतीक अहमद की 168 करोड़ की संपत्ति कुर्क

बिजनौर में ओमर इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस सील

तमसा संकेत, एजेंसी

जालौन। उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में बुधवार को जालौन और बिजनौर प्रशासन ने संयुक्त अभियान चलाकर गैंगस्टर एक्ट के आरोपी अतीक अहमद की 168 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की चल-अचल संपत्तियों को कुर्क कर लिया। साथ ही बिजनौर के स्योहारा क्षेत्र में स्थित विवादित ओमर इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस को भी सील कर दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

बुधवार को जालौन और बिजनौर प्रशासन ने उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 की धारा 14(1) के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट के आरोपी अतीक अहमद की संपत्तियों को कुर्क कर लिया। आरोपी अतीक अहमद पुत्र मोहम्मद उमर मूल रूप से बिजनौर के थाना स्योहारा क्षेत्र के कस्बा सहसपुर का निवासी है और वर्तमान में नई दिल्ली के निजामुद्दीन वेस्ट में रह रहा है। पुलिस के अनुसार अतीक अहमद के खिलाफ जालौन जनपद के थाना ऐट में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। जांच में सामने आया कि वह अपने गिरोह के साथ अंतरजनपदीय और अंतरराज्यीय स्तर पर संगठित अपराधों में संलिप्त रहा है। गिरोह पर गोमांस तस्करी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने तथा अन्य अवैध गतिविधियों के जरिए बड़ी मात्रा में धन अर्जित करने के आरोप हैं।

फास्ट न्यूज

डीएम बोले- सिविल डिफेंस में स्वयंसेवकों की भूमिका अहम

बाराबंकी। डीएम ईशान प्रताप सिंह ने कहा है कि आने वाले समय में देश और दुनिया के सामने नई चुनौतियां आ सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से उत्पन्न मानवीय संकटों के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

बाराबंकी में होटल के बाहर मारपीट

बाराबंकी। बाराबंकी में एक होटल के बाहर मारपीट की घटना सामने आई है। नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित इस होटल के बाहर कुछ युवकों ने एक युवक पर लोहे की रॉड और डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने और घटना का वीडियो बनाने का प्रयास करने वाले दूसरे युवक को भी पीटा गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपी पक्ष के एक व्यक्ति ने खुद को एसटीएफ अधिकारी बताकर धमकियां भी दीं। यह घटना लखनऊ रोड स्थित होटल रॉयल हेरिटेज के बाहर रात करीब 10 बजे हुई। मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

गोरखपुर में पहले दिन टीजीटी की परीक्षा हुई समाप्त

गोरखपुर। गोरखपुर में बुधवार को TGT परीक्षा के पहले दिन की दोनों पाली की परीक्षा समाप्त हुई। अलग अलग केंद्र पर छात्र के परीक्षा के बारे में बता रहे थे बात करते हुए अभ्यर्थियों ने बताया कि सेकंड शिफ्ट का पेपर आसान था। अभ्यर्थियों ने भी बताया की तैयारी के अनुसार पेपर काफी आसान रहा ग्रामर के कुछ पोर्शन को छोड़ दिया जाए तो पेपर आसानी से हल हो जा रहा था।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर 42वीं रैंक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) ने भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (IIRF) 2026 में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए देश के शीर्ष प्रबंधन संस्थानों में 42वां स्थान प्राप्त किया है। वहीं उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों के प्रबंधन संस्थानों में विभाग को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने इस उपलब्धि पर लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार, कुलपति, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर गुणात्मक सुधार हो रहा है। नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने तथा उद्योगोन्मुखी शिक्षा पर विशेष बल का ही परिणाम है कि प्रदेश के विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इससे अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को भी उत्कृष्टता की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय भविष्य में भी शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। IIRF देश की प्रतिष्ठित संस्थागत रैंकिंग प्रणाली है, जिसमें प्रबंधन संस्थानों का मूल्यांकन शैक्षणिक प्रतिष्ठा, अनुसंधान परिणाम, छात्र प्रोफाइल, नियोक्ता प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण, संस्थागत विकास तथा जन धारणा जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर किया जाता है।

बच्चों ने भीगकर मस्ती की, यूपी में पारा 42 डिग्री सेल्सियस, गंगा में रेत के टीले दिखे

कानपुर-गोरखपुर समेत 5 जिलों में आंधी-बारिश

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ। यूपी में हीटवेव से राहत है। बुधवार को कानपुर, गोरखपुर, आजमगढ़ समेत 5 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। गोरखपुर में बच्चों ने बारिश में भीगकर मस्ती की। बारिश से तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट आई है।

वाराणसी में गंगा नदी में कई जगह रेत के टीले दिखाई देने लगे हैं। पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. बीडी त्रिपाठी का कहना है कि नदी में पानी कम होने से उसका बहाव धीमा हो जाता है। इससे गाद और रेत तेजी से जमने लगती है। धीरे-धीरे नदी की गहराई कम होती जाती है और बीच नदी में बालू के टीले नजर आने लगते हैं, जैसा कि इस समय वाराणसी में दिख रहा है। गर्मी को देखते हुए बाबा विश्वनाथ का आम के रस, दही और गंगाजल से अभिषेक किया गया। मंगलवार की बात करें तो 42 डिग्री तापमान के साथ फर्रुखाबाद सबसे गर्म शहर रहा। आज 35 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। 60 से 80 किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। बिजली गिरने की भी संभावना है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-उत्तर-पश्चिम भारत में आज से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। 5 जून तक यह पूरे प्रदेश को अपनी जद में ले लेगा। इससे पश्चिमी और पूर्वी यूपी में छिटपुट बारिश की संभावना है। ओले भी गिर सकते हैं।

गर्मी को देखते हुए बाबा विश्वनाथ का आम के रस, दही और गंगाजल से अभिषेक किया गया।

गोरखपुर में 15 मिनट तक हुई झमाझम बारिश

गोरखपुर में बुधवार की दोपहर मौसम अचानक से बदल गया। कुछ इलाकों में अचानक तेज हवा उठी और उसके बाद से झमाझम बारिश होने लगी। अचानक हुई बारिश के कारण जिसको जहां-जगह मिला वह वहीं पर सड़क किनारे रुक गया। मौसम वैज्ञानिक डॉ. कैलाश पांडे ने बताया कि थंडर क्लाउड होने से कहीं बारिश होती है तो कहीं धूप खिली रहती है। इसका असर 1 किलोमीटर के रेंज में होता है। इसे पासिंग सावर भी बोलते हैं। गोरखपुर में हुई है बारिश करीब 10 से 15 मिनट तक हुई। इसके बाद से बरसात रुक गई।

वाराणसी में गंगा नदी में रेत के टीले दिखने लगे

वाराणसी में गर्मी बढ़ने के साथ गंगा नदी में कई जगह रेत के टीले दिखाई देने लगे हैं। पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. बीडी त्रिपाठी का कहना है कि गंगा का समय से पहले सिकुड़ना आने वाले जल संकट का संकेत है। नदी में पानी कम होने से उसका बहाव धीमा हो जाता है। इससे गाद और रेत तेजी से जमने लगती है। धीरे-धीरे नदी की गहराई कम होती जाती है और बीच नदी में बालू के टीले नजर आने लगते हैं, जैसा कि इस समय वाराणसी में दिख रहा है। प्रो. त्रिपाठी ने चेतावनी दी है कि अगर यही हाल रहा तो गंगा में पानी रोकने की क्षमता घट जाएगी। साथ ही नदी की खुद को साफ करने की ताकत भी कम हो जाएगी।

रंगदारी : एसडीएम को भी मार चुके हैं थप्पड़, 4 गर्लफ्रेंड बनाई, लखपति घर में रचाई शादी

2 फर्जी आईएएस, 1 नकली आईपीएस का भंडाफोड़

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में पुलिस ने दो फर्जी IAS और एक नकली IPS के कारनामों का भंडाफोड़ कर उन्हें अलग-अलग मामलों में जेल भेज दिया। इनका ऐसा भौकाल था कि कई बार पुलिसकर्मी भी भ्रमित हो जाते थे। हालांकि, जेल पहुंचने के बाद हत्या और लूट जैसे मामलों में बंद अपराधी उन्हें मजाक में '420 गुरु' कहकर बुलाने लगे।

जेल पहुंचते ही उनकी हेकड़ी और बड़े सपने दोनों खत्म हो गए। जेल में बंद इन दो फर्जी IAS और एक नकली IPS की कहानी सुनकर दूसरे बंदी भी हैरान रह जाते हैं।

इटावा के प्रीतम कुमार निषाद ने फर्जी IAS अधिकारी बनकर कई चैनलों पर इंटरव्यू दिए थे। उसने लोगों को झांसे में लेकर गोरखपुर के एक संपन्न परिवार की लड़की से शादी भी कर ली थी।

बिहार के सीतामढ़ी जिले के मेहसौल गांव निवासी 36 वर्षीय ललित किशोर खुद को IAS अधिकारी गौरव कुमार सिंह बताकर लोगों से ठगी करता था। उसने साल 2019 में MSc की पढ़ाई पूरी की थी। कुछ समय तक कोचिंग में पढ़ाया भी था। ठाट-बाट और आलीशान जिंदगी जीने के लिए उसने फर्जी IAS अधिकारी का रूप धारण कर लिया। अपने रुतबे को दिखाने के लिए उसने पटना से आठ गनर भी हायर किए थे। एक व्यापारी को अपने प्रभाव में लेकर उसने उससे इनोवा समेत कई लग्जरी गाड़ियां हासिल कर ली थीं। ललित शादीशुदा था और उसके दो बच्चे भी हैं।

फर्जी अधिकारी बनकर उसने चार लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाया था। आरोप है कि इनमें से तीन गर्लफ्रेंड गर्भवती भी हो गई थीं। इसके अलावा बड़े-बड़े ठेकेदारों को टेंडर दिलाने का झांसा देकर उसने करोड़ों रुपये वसूले थे। एक बार वह भागलपुर में अधिकारी बनकर एक विभाग का निरीक्षण करने तक पहुंच गया था।

फर्जी आईएएस बनकर करोड़ों कमाए, 4 गर्लफ्रेंड भी बनाई

बिहार के रहने वाले ललित किशोर ने खुद को IAS अधिकारी बताकर करोड़ों रुपये कमाए और चार गर्लफ्रेंड भी बनाई थीं। इतना ही नहीं, एक बार उसने बिहार के एक SDM को थप्पड़ तक मार दिया था। हालांकि, सामने वाले ने उसे IAS अधिकारी समझकर इसकी शिकायत नहीं की थी।

फर्जी आईपीएस बनकर मांगने लगा रंगदारी

गोरखपुर यूनिवर्सिटी के कर्मचारी शनि वर्मा ने भी कुछ ऐसा ही कारनामा किया था। गलत गतिविधियों के चलते वह यूनिवर्सिटी से निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद उसने खुद को IPS अधिकारी बताकर व्यापारियों से रंगदारी मांगनी शुरू कर दी।

वह बाकायदा IPS की वर्दी पहनकर फोटो और स्टेटस भी लगाता था। एक व्यापारी ने उसे असली IPS अधिकारी समझकर उच्च अधिकारियों से शिकायत की। जांच में सामने आया कि वह यूनिवर्सिटी का निलंबित कर्मचारी था।

नकली आईएएस ललित किशोर के साथ एक पूरा काफिला चलता था। उसने अपने सुरक्षा में 8 गनर लगा रखे थे।

सिपाही ने गाली देकर कारोबारी पर तान दी पिस्टल

बुलंदशहर में बीच बाजार हंगामा, लोगों ने पुलिसवालों को घेरा

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। बुलंदशहर में मंगलवार की दोपहर एक सिपाही ने व्यापारी सुरक्षा फोरम के अध्यक्ष पर बीच बाजार पिस्टल तान दी। इस पर हंगामा हो गया। लोगों का आरोप है कि सिपाही ने पिस्टल का ट्रिगर दबा दिया था। गनीमत रही कि पिस्टल लोडेड नहीं थी, वरना बड़ी अनहोनी हो जाती। लोगों ने पुलिस टीम को घेर लिया। सिपाही के साथ धक्का-मुक्की करने लगे। मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने मामले को शांत कराया। पुलिस कबाड़ खरीदने वाले 2 कारोबारियों को बिजली के तार चोरी केस में थाने लाई है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मामला जिला मुख्यालय से करीब 23 किमी दूर ककोड़ कस्बे का है।

एसपी सिटी अभिषेक प्रताप ने सिपाही का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि सिपाही को लोगों ने घेर लिया था। इसलिए उसने आत्मरक्षा में पिस्टल निकाली थी। एएसपी सिटी अभिषेक प्रताप अजेय ने बताया- मंगलवार को गश्त के दौरान ककोड़ पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को पकड़ा था। उनके कब्जे से चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद हुए थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कस्बे के एक निर्माणाधीन मकान से बिजली के तार चोरी कर ककोड़ कस्बे के मोहल्ला मेन बाजार निवासी व्यापारी मोहित और पवन को बेच दिए थे। इसी जानकारी के आधार पर मंगलवार दोपहर 11 बजे पुलिस आगे की पूछताछ और कार्रवाई के लिए मोहित और पवन के पास पहुंची।

पृष्ठ 01 का शेष...

दिल्ली में होटल ...

आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। चीफ फायर ऑफिसर अभिलाष मलिक ने कहा,

वहीं, हादसे के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे।

होटल से 40 लोगों का रेस्क्यू भी किया गया है। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत हो चुकी है।

दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में लगी आग में राजस्थान के भी तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में मार्बल कारोबारी, रिटायर्ड बैंक अधिकारी और उनकी पत्नी शामिल हैं।

अजमेर के गुलाब बाड़ी निवासी जवरी लाल अग्रवाल (70) पत्नी कमला अग्रवाल (68) के साथ मंगलवार शाम 7 बजे अजमेर से किशनगढ़ गए। फिर किशनगढ़ से दिल्ली गए थे। किशनगढ़ की लक्ष्मीनारायण कॉलोनी निवासी मार्बल व्यापारी अशोक पंसारी भी उनके साथ थे।

पड़ोसी और दोस्त राजेंद्र प्रसाद ने बताया- जवरी लाल और कमला अग्रवाल रिश्तेदारों के साथ हॉस्पिटल में भर्ती जानकार से मिलने दिल्ली गए थे। वे दिल्ली के फ्लरिश स्टे होटल में रुके थे। हादसे में उनकी मौत हो गई।

लोकल लोगों ने आरोप लगाया कि बिल्डिंग से बाहर निकलने का सिर्फ एक ही रास्ता था। दावा किया कि आग लगने के लगभग एक घंटे बाद फायरफाइटर्स मौके पर पहुंचे। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है। अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

एक गद्दा बेचने वाले ने लोगों के होटल से कूदने पर उन्हें चोट न लगे इसके लिए जमीन पर गद्दे बिछाए। कुछ लोगों ने घायलों लोगों को CPR दी।

लोगों ने यह भी दावा किया कि यह बिल्डिंग पहले एक खादी भंडार हुआ करती थी।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि होटल का मालिक लवकेश बजाज है। होटल को तीन पार्टनर चलाते थे। इनके बारे में कहा जा रहा है कि ये लोग दिल्ली में कई होटल और गेस्ट हाउस के मालिक हैं। पुलिस और दूसरी जांच एजेंसियां मालिकाना हक, ऑपरेशन और फायर सेफ्टी स्टैंडर्ड के पालन की जांच कर रही हैं। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर (LG) तरनजीत सिंह संधू ने शाम को सभी संबंधित अधिकारियों के साथ घटना का रिव्यू करने के लिए एक हाई-लेवल मीटिंग करेंगे। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने भी इस घटना के संबंध में गैर-इरादतन हत्या और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की दूसरी संबंधित धाराओं के तहत FIR दर्ज की थी।

घायलों में पांच...

हाई कमीशन ने जान गंवाने वालों के दुखी परिवारों के प्रति अपनी संवेदना जताई।

डीके शिवकुमार...

मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव के बाद होने की संभावना है।

शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा केरल, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेता शामिल हुए।

शपथ ग्रहण से ठीक एक दिन पहले सिद्धारमैया को कांग्रेस कार्य समिति (CWC) का सदस्य नियुक्त किया गया। कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री बनने जा रहे डीके शिवकुमार देश के सबसे अमीर नेताओं में हैं। उनके पास 1413 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। वह रियल एस्टेट, खनन, होटल कारोबारी हैं। इतनी संपत्ति के बावजूद उनके चुनावी हलफनामे में एक टोयोटा क्वालिस कार दर्ज है। 263 करोड़ का कर्ज भी है।

ममता की टीएमसी...

ममता के पास अब 22 विधायकों का समर्थन है। TMC ने 294 सीटों में से 80 सीटें जीती थीं।

यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब नेता विपक्ष चुनने के प्रस्ताव पर फर्जी साइन का आरोप लगाने के बाद ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। इसी बीच सीनियर लीडर कुणाल घोष ने बताया कि TMC विधायक फिरहाद हकीम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है।

दो-तिहाई से ज्यादा विधायक- हमारे साथ टीएमसी के दो-तिहाई से ज्यादा विधायक हैं। दो अन्य विधायक भी समर्थन दे चुके हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक दल को मान्यता दे दी है और नेता विपक्ष का ऑफिस रूम भी उन्हें दे दिया है। हमारे पास बहुमत है। संसदीय परंपराओं के अनुसार विधानसभा में हम ही असली और मुख्य विपक्ष हैं।

भाजपा सरकार के ...

सपा अध्यक्ष ने आगरा का उदाहरण देते हुए कहा कि दुनियाभर से आने वाले पर्यटक ऐतिहासिक धरोहरों को देखकर प्रभावित होते हैं, लेकिन खराब सड़कें और गड्ढे उनकी यात्रा का अनुभव खराब कर देते हैं। इससे प्रदेश की नकारात्मक छवि बनती है और यह संदेश जाता है कि सरकार बुनियादी सुविधाओं को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण आगरा का पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, गाइड, टैक्सी सेवा, टूर ऑपरेटर, पेठा, दालमोठ, हस्तशिल्प, संगमरमर की कलाकृतियों और जूता उद्योग जैसे कारोबार प्रभावित हुए हैं।

गाड़ियों के बकाया ...

18 शहरों में GCC मॉडल पर इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी और बड़े शहरों में AC इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होगा। सरकारी वकीलों के मानदेय और भत्ते बढ़ाए गए, मोहनलालगंज में रजिस्ट्री दफ्तर के लिए जमीन मंजूर की गई और पांच जिलों में नई जेलों के निर्माण को मंजूरी मिली है।

अहम प्रस्ताव सरकारी वकीलों की फीस बढ़ाने का था। जिला कोर्ट से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में यूपी सरकार की पैरवी करने वाले सरकारी अधिवक्ताओं की फीस और भत्तों में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई है। दरअसल महाधिवक्ता की फीस वर्ष 2012 और अधिवक्ताओं की फीस वर्ष 2016 से नहीं बढ़ी है। जिला न्यायालयों में तैनात सरकारी वकीलों को हर महीने नौ हजार रुपये रिटेनरशिप मिलता है, जिसे बढ़ाकर अब 14 हजार रुपये तक किया जा सकता है। प्रति हियरिंग फीस भी 1650 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये की जा सकती है। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट गवर्नमेंट एडवोकेट्स की रिटेनरशिप 7,200 रुपये से बढ़ाकर 11000 रुपये हो सकती है। उनको प्रति सुनवाई फीस 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,300 रुपये दी जा सकती है।

भाजपा ने बदला ...

फिलहाल इतना जरूर है कि भाजपा ने अंबेडकरनगर में एक ऐसा फैसला लिया है, जिसने राजनीतिक चर्चाओं को नया विषय दे दिया है। चुनावी माहौल बनने से पहले हुए इस बदलाव को जिले की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है।

पटना में खान सर...

इस घटना के बाद बिहार शिक्षा विभाग ने कोचिंग नीति बनाए जाने की घोषणा की है। अगले 3 महीने के भीतर कोचिंग नीति तैयार की जाएगी। इसके तहत सभी कोचिंग संस्थानों के लिए एक 'मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट' तैयार किया जाएगा। खान सर का कहना है कि हमले में सिक्योरिटी गार्ड का सिर फोड़ दिया गया।। उसे PMCH में भर्ती कराया गया है। खान सर ने पहले 8 से 10 राउंड गोली चलने का दावा किया था। हालांकि, बाद में वे अपने बयान से पलट गए। उन्होंने कहा- 'माहौल इतना तनावपूर्ण था कि मुझे कुछ समझ नहीं आया।' खान सर की ओर से दायर FIR में भी गोलीबारी का कोई जिक्र नहीं है। साथ ही पटना पुलिस ने भी फायरिंग से इनकार किया है।

7 दिन में दूसरी बार मात दी ■ आनंद से लिनारेस टूर्नामेंट में दो बार हारे थे मैग्नस

प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे चेस में वर्ल्ड नं-1 कार्लसन को हराया

शिकस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के 20 साल के ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा रमेशबाबू ने नॉर्वे चेस के आठवें राउंड में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया। प्रज्ञानानंदा की यह टूर्नामेंट में 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन के खिलाफ दूसरी जीत है।

इससे पहले 28 मई को प्रज्ञानानंदा ने कार्लसन को सफेद मोहरों से मात दी थी। मंगलवार, 2 जून को प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वेजियन प्लेयर को काले मोहरों से हराया।

नॉर्वे चेस विमेंस टूर्नामेंट के आठवें राउंड में भारत के लिए मिलाजुला दिन रहा। टूर्नामेंट में लीड कर रहीं बिबिसारा असाउबायेवा ने क्लासिकल मुकाबले में भारत की दिव्या देशमुख को हराया। काले मोहरों से खेल रहीं बिबिसारा ने लगातार दबाव बनाए रखा। आखिरी समय में दिव्या के पास समय कम बचा और वे मैच हार गईं। झू जिनर ने मौजूदा विमेंस वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को हराकर बड़ा उलटफेर किया। भारत की दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी और अन्ना मुजीचुक के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद एक्स्ट्रा पॉइंट्स के लिए हुए अर्मागेडन मुकाबले में कोनेरू हम्पी ने काले मोहरों से जीत दर्ज की। विमेंस पॉइंट्स टेबल में बीबीसारा 15.5 अंकों के साथ सबसे आगे हैं। अन्ना मुजीचुक 10.5 अंकों के साथ दूसरे और दिव्या देशमुख 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नॉर्वे चेस टूर्नामेंट 25 मई से 5 जून तक ओस्लो में खेला जा रहा है। इसमें दुनिया के चुनिंदा 6-6 पुरुष और महिला खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में हिस्सा ले रहे हैं।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में प्रज्ञानानंदा ने मैग्नस कार्लसन को दो बार हरा दिया।

> इस जीत के साथ आर. प्रज्ञानानंदा भारत के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया। इससे पहले 2007 में विश्वनाथन आनंद ने लिनारेस इंटरनेशनल टूर्नामेंट में कार्लसन को लगातार दो मुकाबलों में शिकस्त दी थी।

अलीरजा फिरोजा ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत के गुकेश को हराया।

अलीरजा फिरोजा ने वर्ल्ड चैंपियन गुकेश को हराया, वेस्ली सो टॉप पर

आठवें दौर के एक अन्य मुकाबले में फ्रांस के अलीरजा फिरोजा ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत के गुकेश डोमराजु (डी गुकेश) को हराया। सफेद मोहरों से खेल रहे फिरोजा ने टाइम प्रेशर के बीच एंडगेम में शानदार खेल दिखाया और गुकेश की गलतियों का फायदा उठाया। इस जीत से फिरोजा के 13 अंक हो गए हैं। टूर्नामेंट लीडर वेस्ली सो और विंसेंट केमर के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद हुए 'अर्मागेडन' मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत हासिल कर एक्स्ट्रा पॉइंट्स बटोरे और 14 अंकों के साथ बढ़त बरकरार रखी। प्रज्ञानानंदा 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में पाकिस्तान को हराया

नाथन एलिस ने चटकाए 4 विकेट

नई दिल्ली। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 41 रन से हराया। इसके साथ ही सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। नाथन एलिस ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवरों में 231 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम 44 ओवरों में 190 रन पर सिमट गई। शादाब खान ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। 51 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद जोश इंग्लिस (51 रन) और कैमरन ग्रीन (50 रन) ने संभलकर बल्लेबाजी की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की।

इसके बाद मैट रेनशॉ ने 43 और ओलिवर पीक ने 32 गेंदों में 31 रन बनाकर टीम को 231 रन तक पहुंचाया। लाहौर की भीषण गर्मी का असर खिलाड़ियों पर दिखा। विकेट-कीपर गाजी गोरी गर्मी और उमस के कारण 7 ओवर के लिए मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह रोहेल नजीर ने विकेटकीपिंग की। लौटने के बाद भी गोरी संघर्ष करते दिखे और कई गेंदें बाई के रूप में बाउंड्री पार गईं। 232 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। नाथन एलिस और मैट कुहनेमैन ने पहले दो ओवरों में दोनों ओपनर्स को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने 12 ओवर के अंदर 58 रन पर पाकिस्तान के 5 विकेट गिरा दिए थे।

इंग्लैंड महिला टीम ने टी 20 में भारत को हराया

सीरीज 2-1 से जीती, कैपसे-नाइट के बीच 137 रन की पार्टनरशिप

नई दिल्ली। इंग्लैंड की महिला टीम ने तीसरे और आखिरी टी-20 इंटरनेशनल में भारत को 6 विकेट से हराया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। 181 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने एलिस कैपसे (82 रन) और कप्तान हीथर नाइट (नाबाद 70 रन) की पारियों की बदौलत 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टी-20 इंटरनेशनल में यह इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन-चेज है। 12 जून से बर्मिंघम में शुरू होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप से पहले यह दोनों टीमों का आखिरी इंटरनेशनल मैच था। टॉन्टन में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 56 रन की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में

इंग्लैंड ने 38 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद कैपसे और नाइट ने मैच पलट दिया।

180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। प्लेइंग-11 में लौटीं तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने डैनी व्याट-हॉज को क्लीन बोल्ड किया। इसके बाद सोफिया डंकली (16 रन) और एमी जोन्स भी जल्दी आउट हो गईं।

38 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद एलिस कैपसे और कप्तान हीथर नाइट ने पारी संभाली। दोनों बल्लेबाज फॉर्म को लेकर दबाव में थीं। कैपसे ने 27 गेंदों में फिफ्टी पूरी की और 43 गेंदों में 82 रन बनाए। उनकी पारी में अरुंधति रेड्डी के एक ओवर में 15 रन और एन श्री चरणी के ओवर में 4, 6, 6 शामिल थे। दूसरी ओर हीथर नाइट ने 42 गेंदों में नाबाद 70 रन बनाए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 137 रन की मैच जिताऊ साझेदारी हुई।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के ओपनर्स शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना जल्दी आउट हो गई थीं। हालांकि पावरप्ले तक भारत ने 2 विकेट पर 57 रन बना लिए थे।

नडाल-जोकोविच के 20 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी ■ अब ज्वेरेव से खेलेंगे

20 साल के मेन्सिक पहली बार फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। चेक रिपब्लिक के 20 साल के खिलाड़ी याकूब मेन्सिक ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई। मंगलवार रात पेरिस में खेले गए मेन्स सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में मेन्सिक ने 19 साल के ब्राजील के खिलाड़ी जोआओ फोंसेका को 6-4, 6-3, 7-6(3) से हराया।

यह मुकाबला इस साल फ्रेंच ओपन का सबसे युवा क्वार्टर फाइनल था। 2006 के बाद पहली बार दो इतने युवा खिलाड़ियों के बीच अंतिम-8 का मैच खेला गया। तब 20 साल के राफेल नडाल और 19 साल के नोवाक जोकोविच आमने-सामने थे।

अब सेमीफाइनल में मेन्सिक का मुकाबला सेकंड सीड जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। ज्वेरेव ने क्वार्टर फाइनल में राफेल जोदार को हराया। मेन्सिक ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीते। तीसरे सेट में वे कुछ ब्रेक पॉइंट गंवाकर पीछे हो गए थे, लेकिन फोकस बनाए रखते हुए सेट को टाई-ब्रेकर में ले गए और मैच जीत लिया। इस जीत के साथ मेन्सिक 2004 या उसके बाद पैदा होने वाले दुनिया के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वे ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चेक रिपब्लिक के सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। दूसरी तरफ, 2024 फ्रेंच ओपन फाइनलिस्ट अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने युवा खिलाड़ी राफेल जोदार को 7-6(3), 6-1, 6-3 से हराया। ज्वेरेव ने टूर्नामेंट के 5 मैचों में अब तक केवल एक सेट गंवाया है। हालांकि, पहले सेट में ज्वेरेव एक समय 2-5 से पीछे थे, लेकिन अनुभव के दम पर उन्होंने दो घंटे 17 मिनट में मैच जीत लिया।

याकूब मेन्सिक ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

> याकूब मेन्सिक और ब्राजील के जोआओ फोंसेका अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। दोनों युवा खिलाड़ियों के बीच मुकाबला दो घंटे 33 मिनट तक चला।

मैच के बाद मेन्सिक बोले- शुरुआत में नर्वस था, लेकिन आखिरी तक लड़ता रहा

इस जीत के बाद एटीपी (ATP) से बातचीत में मेन्सिक ने कहा,'मैच की शुरुआत में हम दोनों ही थोड़े नर्वस थे, लेकिन अंत में दोनों ओर से कुछ अविश्वसनीय शॉट्स देखने को मिले। मैं अपनी इस वापसी से बेहद खुश हूं। तीसरे सेट में मैं कुछ ब्रेक डाउन था, इसलिए खुश हूं कि मैं खेल पर ध्यान बनाए रखने और आखिरी समय तक लड़ने में कामयाब रहा।'

मनोरंजन

धुरंधर 2 ने खेला आखिरी दांव रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब

नई दिल्ली, एजेंसी

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर 2' इस साल 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म का 4 जून को OTT प्लेटफॉर्म पर ग्रैंड प्रीमियर होने वाला है, लेकिन उसके बावजूद भी बॉक्स ऑफिस पर से फिल्म टस से मस होने का नाम नहीं ले रही है। धुरंधर 2 को सिनेमाघरों में लगे हुए तकरीबन 76 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन अब भी फिल्म कई नए रिकॉर्ड अपने नाम लिख रही है। रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म की कमाई छठे हफ्ते के बाद भले ही लाखों में आ गिरी, लेकिन अभी तक मूवी का खाता पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 75 दिनों के अंदर कुल 1148 .76 करोड़ की कमाई की थी। अब फिल्म का 76वें दिन का रिजल्ट

भी सामने आ चुका है। सैकनिल्क डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने 76वें दिन इंडिया में कुल 239 शोज से 10 लाख रुपए तक का कलेक्शन किया है। मूवी का 76 दिनों में टोटल कलेक्शन 1148.88 करोड़ तक पहुंच चुका है और यह अब 1150 का रिकॉर्ड बनाने से बस 1.12 करोड़ की दूरी पर है। रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म ने जहां पहले हफ्ते के अंत तक कुल 674.17 करोड़ का बिजनेस किया था, तो वहीं फिल्म ने दूसरे वीक में कुल 263.65 करोड़ रुपए कमाए थे, जिसके बाद घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई 840.20 करोड़ तक पहुंच गई थी।

स्टेज पर एक्टर की तरफ भागा था, घबरा गई थीं जाह्नवी कपूर, बॉडीगार्ड ने उठाकर बाहर निकाला था

राम चरण से मिलकर रो पड़ा फैन

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म 'पेद्दी' के प्रमोशन इवेंट का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें राम चरण जैसा दिखने वाला एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर स्टेज की तरफ दौड़ पड़ा था। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत रोक लिया था।

वहीं, इस घटना के बाद राम चरण ने उस फैन से अलग से मुलाकात की। यह मुलाकात पूरी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराई गई। फैन इस घटना के बाद काफी इमोशनल हो गया था और रोटा भी दिखाई दिया।

राम चरण ने फैन को शांत किया और उससे आराम से बातचीत की। इतना ही नहीं, उन्होंने फैन के साथ सेल्फी भी खिंचवाई।

दरअसल, मंगलवार को रामचरण और जान्हवी कपूर अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' के प्रमोशन के लिए विजयवाड़ा पहुंचे थे। तभी स्टेज पर फिल्म के प्रमोशन के दौरान रामचरण जैसा दिखने वाला एक हमशक्ल फैन अचानक उनकी तरफ तेजी से दौड़ा। पेड्डी एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जो खेल के माध्यम से अपनी पहचान तलाशने वाले एक व्यक्ति की कहानी पर आधारित है। फिल्म को बुच्ची बाबू सना ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इसका प्रोडक्शन वेंकट सतीश किलारू ने वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले किया है। फिल्म को मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स प्रेजेंट कर रहे हैं। फिल्म में राम चरण, जाह्नवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु और जगपति बाबू प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पेड्डी 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

> इस घटना से रामचरण के बगल में बैठीं जान्हवी कपूर बुरी तरह घबरा गईं। हालांकि, रामचरण के पर्सनल बॉडीगार्ड और एमएमए फाइटर केविन कुंटा ने मुस्तैदी दिखाते हुए फैन को रास्ते में ही रोक लिया और गोद में उठाकर स्टेज से बाहर कर दिया था।

घबरा गईं जान्हवी, बढ़ाई गई सुरक्षा

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में साफ दिख रहा है कि फैन के अचानक करीब आने से जान्हवी कपूर काफी असहज और डरी हुई नजर आईं। वे अपनी सीट पर ही सहम गईं और उनकी घबराहट चेहरे पर साफ दिख रही थी। इस घटना के तुरंत बाद सुरक्षा टीम अलर्ट हो गई। जान्हवी और रामचरण की सुरक्षा के लिए उनके चारों तरफ बड़ी संख्या में पुलिस और निजी सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया, ताकि इवेंट को बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके।

फिल्म बिश्नोई समाज पर आधारित, कहा- नोटिस भेजकर हम पर दबाव बनाया जा रहा है

'काला हिरण' सलमान की बायोपिक नहीं है : अमित

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म 'काला हिरण' को लेकर जारी विवाद के बीच फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सलमान खान की लीगल टीम के नोटिस पर रिएक्शन दिया है।

अपने ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट में पोस्ट किए वीडियो में अमित जानी ने कहा कि हमारी पूरी फिल्म सलमान खान की बायोपिक नहीं है। हमारी पूरी फिल्म सलमान खान के नजरिए से नहीं है।

अमित जानी ने वीडियो में कहा, 'सलमान खान की लीगल टीम की ओर से नोटिस भेजकर हम पर दबाव बनाया जा रहा है कि हम फिल्म की रिलीज रोक दें और 20 जून को टीजर जारी न करें।'

बातचीत में अमित जानी ने कहा

है कि फिल्म 'काला हिरण' बिश्नोई समाज के संघर्ष, उनकी विरासत और वन्यजीवों के प्रति उनके समर्पण को दिखाती है। जानी ने कहा कि सलमान खान फिल्म का सिर्फ एक पार्ट हैं। 'काला हिरण' को लेकर सलमान खान की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि सलमान की ओर से लॉ फर्म DSK लीगल ने कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है।

1998 में काला हिरण शिकार मामला सामने आया

सलमान खान से जुड़ा काला हिरण शिकार मामला साल 1998 में सामने आया था, जब वो जोधपुर में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग कर रहे थे। सलमान के खिलाफ कुल चार केस दर्ज किए गए थे। इनमें दो चिंकारा शिकार मामले, एक कांकाणी काला हिरण शिकार मामला और एक आर्म्स एक्ट का मामला शामिल था।

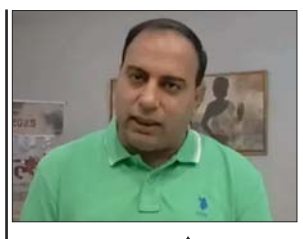

20 जून को आना था टीजर

बता दें कि सलमान से जुड़े काला हिरण शिकार मामले पर आधारित फिल्म 'काला हिरण' का पोस्टर शुक्रवार को जारी किया गया था। वहीं कहा गया था कि फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर 20 जून को जारी किया जाएगा।

फिल्म में सलमान और गैंगस्टर लॉरेंस के बीच के विवाद को दिखाया जाएगा। हालांकि, यह जानकारी सामने नहीं आई थी कि इसमें कौन लीड रोल में है। वहीं, इसके पोस्टर में जो एक्टर दिखा है, वह जाना-पहचाना नहीं है।

तृषा कृष्णन का ट्रोलर्स को जवाब

विजय से नाम जुड़ने के बीच कुत्ते की तस्वीर के साथ लिखा- सिर्फ इसे मेरी जिंदगी में दखल देने की इजाजत

नई दिल्ली। साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने एक्टर और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय के साथ अपने रिश्ते की ट्रोलिंग पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जवाब दिया है। तृषा ने अपने पालतू डॉग की एक फोटो शेयर कर लिखा कि सिर्फ इसी को मेरी जिंदगी में दखल देने की इजाजत है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर विजय और तृषा के रिश्ते को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। हाल ही में दोनों को एक्टर अजीत कुमार के घर पर भी साथ देखा गया था। तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उनका पालतू डॉग बेड पर आराम करता नजर आ रहा है। इस वीडियो के साथ तृषा ने लिखा, एकमात्र नाक जिसे मैं अपने काम में दखल देने की इजाजत देती हूं। यूजर्स इस पोस्ट को उन लोगों के ट्रोलर्स के लिए सीधा जवाब मान रहे हैं जो पिछले काफी समय से उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर कयास लगा रहे हैं। यह पूरा मामला तब दोबारा चर्चा में आया जब विजय और तृषा को चेन्नई में एक्टर अजीत कुमार के घर पर देखा गया।

ईरान के मशहद शहर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा, 2 करोड़ लोग जनाजे में शामिल हो सकते हैं

मौत के 4 महीने बाद होगा खामनेई का अंतिम संस्कार

सूचित

तेहरान, एजेंसी

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के लगभग चार महीने बाद उन्हें दफनाया जाएगा। खामेनेई को उनकी अंतिम इच्छा के मुताबिक मशहद शहर में शिया इस्लाम के चर्चित इमाम रजा के पवित्र दरगाह परिसर के पास दफनाया जाएगा।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के मुताबिक खामेनेई को 21 जून के आसपास आखिरी विदाई दी जा सकती है। 28 फरवरी को तेहरान में उनके आवास पर हुए अमेरिका-इजराइल के हमले में उनकी मौत हो गई थी। उनका राजकीय अंतिम संस्कार पहले 4 मार्च को होने वाला था, लेकिन युद्ध की वजह से इसे टाल दिया गया था। अधिकारियों को उम्मीद है कि तेहरान, कुम और मशहद में होने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रमों में करीब 2 करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। लोगों को अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे तीन दिन निर्धारित किए गए हैं। अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम संस्कार में हुई देरी इस्लामी परंपरा के लिहाज से असामान्य मानी जा रही है। आमतौर पर इस्लाम में किसी व्यक्ति को मौत के एक-दो दिन के भीतर दफना दिया जाता है। हालांकि ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, भारी भीड़ की उम्मीद और युद्ध के हालात के कारण अंतिम संस्कार में देरी हुई। अधिकारी ने यह नहीं बताया कि जनाजा कब होगा, लेकिन कहा कि यह इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम की शुरुआत में हो सकता है, जो 21 जून के आसपास में पड़ता है। पूरे कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी IRGC के पास है। मशहद ईरान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है और देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित है। इसे शिया मुसलमानों का सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक शहर माना जाता है।

तेहरान नगर निगम में सामाजिक और सांस्कृतिक मामलों के उपप्रमुख मोहम्मद अली तवक्कोलीजादेह ने अंतिम संस्कार की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने सरकारी टेलीविजन से कहा कि खामेनेई के लिए तीन दिन का सार्वजनिक जनाजा आयोजित किया जाएगा।

मुख्य अंतिम संस्कार समारोह तेहरान में होगा

खामेनेई का मुख्य अंतिम संस्कार समारोह तेहरान में होगा, जो कम से कम 24 घंटे तक चलने की उम्मीद है। इसके बाद पार्थिव शरीर को धार्मिक शहर कुम ले जाया जाएगा और फिर मशहद पहुंचाया जाएगा, जहां इमाम रजा के दरगाह परिसर में दफनाया जाएगा।

तेहरान नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि दफन से पहले खामेनेई के पार्थिव शरीर को कुम और मशहद की सड़कों पर अंतिम यात्रा के रूप में ले जाया जाएगा। यह जानकारी IRGC के एक बयान में दी गई।

ईरान के नेता अयातुल्ला रूहल्ला खोमैनी का 6 जून, 1989 को तेहरान में जनाजा। शोक में लोगों की भीड़ उनके शरीर को छूने की कोशिश कर रही है।

खोमैनी के जनाजे में 1 करोड़ लोग जुटे थे

अगर खामेनेई के जनाजे में वास्तव में 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, तो यह इस्लामिक गणराज्य के संस्थापक अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के 1989 वाले रिकॉर्ड से कहीं बड़ा आयोजन होगा। 1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के जनाजे में करीब 1 करोड़ (10 मिलियन) लोग शामिल हुए थे। यह उस समय ईरान की कुल आबादी का लगभग छठा हिस्सा था।

इस कार्यक्रम को आज भी दुनिया के सबसे बड़े जनाजों में गिना जाता है। इतनी भारी भीड़ उमड़ी थी कि भगदड़ मच गई थी, जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग घायल हुए थे। इस बार अधिकारी इससे भी बड़ी भीड़ को संभालने और किसी हादसे से बचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन युद्ध के प्रभाव से उबर रहे देश में इतना बड़ा आयोजन कराना बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

ईरान ने कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर किए हमले

एयर डिफेंस सिस्टम कितना रहा कामयाब?

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान ने बुधवार को फारस की खाड़ी में अमेरिका के अटैक का जवाब देते हुए कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हमले किए। इस बात का दावा सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने किया है।

उसने कहा, फारस की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और केश्म द्वीप में अमेरिका की दुश्मनी भरी हरकतों के बाद कुवैत में अमेरिकी बेस पर हमले किए गए। हालांकि, अमेरिका ने ईरान के उन दावों को नकार दिया कि उसने खाड़ी में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया था। ईरान की इस हरकत को आक्रामकता बताते हुए राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी सेना ने केश्म द्वीप पर हमले किए और इस कार्रवाई को आत्मरक्षा का कदम बताया। इस बीच कुवैत ने कहा कि उसके हवाई सुरक्षा सिस्टम ने आने वाली मिसाइलों और ड्रोन

को रोक दिया, जबकि खाड़ी में बढ़ते तनाव के बीच देश के कई हिस्सों में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। कुवैती सेना के जनरल स्टाफ ने कहा कि निवासियों द्वारा सुनी गई आवाजें हवाई सुरक्षा इकाइयों द्वारा दुश्मनाना हवाई लक्ष्यों से निपटने के दौरान किए गए ऑपरेशनों से जुड़ी थीं। उसने कहा, ₹कुवैती हवाई सुरक्षा सिस्टम इस समय दुश्मनाना मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं। सेना का जनरल स्टाफ यह स्पष्ट करता है कि यदि धमाकों की आवाजें सुनी जाती हैं तो वे हवाई सुरक्षा सिस्टम द्वारा दुश्मनाना हमलों को रोकने का परिणाम हैं।

फास्ट न्यूज

तिब्बत में चीन के अत्याचारों की जांच करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन । अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया।

थाईलैंड के पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा को मिली शाही माफी

बैंकॉक । थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा ने बुधवार को अपनी जेल की सजा से जुड़ी सभी कानूनी जिम्मेदारियों को औपचारिक रूप से पूरा कर लिया। शाही माफी मिलने के बाद उनकी चार महीने की पैरोल समय से पहले खत्म कर दी गई। दो दशकों से अधिक समय तक थाई राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्ति रहे 76 वर्षीय अरबपति और लोकप्रिय नेता को पिछले महीने बैंकॉक की जेल से रिहा किया गया था। तब से इस बात का अनुमान लगाया जा रहा है कि वह सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा फिएउ थाई पार्टी पर अपना मजबूत प्रभाव जारी रख सकते हैं।

'ईरान ने संघर्ष के बाद अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद किए'

वॉशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने दावा किया है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच तेहरान ने अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बाद खुफिया जानकारियों से पता चला है कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को सीमित किया है।

तिब्बत में दिखी शानदार दुर्लभ लाल स्प्राइट्स और ग्रीन घोस्ट लाइस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

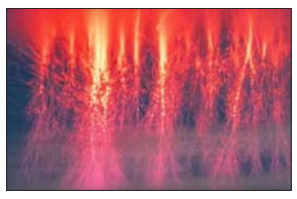

तिब्बत के जीजांग क्षेत्र के ऊपरी वायुमंडल को रोशन करते हुए दुर्लभ 'रेड स्प्राइट्स' (लाल चमक) को दिखाने वाला एक शानदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। चीनी एस्ट्रोफोटोग्राफर डोंग शुचांग द्वारा 26 मई, 2026 की सुबह-सुबह रिकॉर्ड किया गया यह वीडियो धरती की सबसे दुर्लभ वायुमंडलीय घटनाओं में से एक का बेहद विस्तृत दृश्य प्रमाण है, जिसने देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। ये शानदार चमकती हुई लाल रोशनी 'ट्रांजिएंट ल्यूमिनस इवेंट' (TLE) का एक रूप हैं। ये शक्तिशाली तूफानों के काफी ऊपर रोशनी की तेज चमक पैदा करती हैं, जिन्हें जमीन से देख पाना मुश्किल होता है। डोंग ने वीडियो के साथ यह कैप्शन लिखा, ₹26 मई, 2026 की सुबह-सवेरे मैंने शन्नान जीजांग में पुमा युमको झील के किनारे समुद्र तल से 5,000 मीटर से भी अधिक की ऊंचाई पर लाल स्प्राइट बिजली

का एक शानदार नजारा कैमरे में कैद किया। डोंग ने कहा, यह न तो एआई द्वारा बनाया गया है और न ही इसमें कोई स्पेशल इफेक्ट इस्तेमाल किया गया है फिर भी यह इतना अवास्तविक (surreal) लगता है। उन्होंने आगे कहा, ₹यह पिछले चार सालों में मेरे द्वारा कैद की गई सबसे साफ और सबसे बड़ी 'स्प्राइट लाइटनिंग' है। उम्मीद है आपको यह पसंद आएगी। 'रेड स्प्राइट आउटब्रेक' को अवास्तविक बताते हुए डोंग ने कहा कि वह हरे रंग की चमक वाले दुर्लभ 'घोस्ट स्प्राइट्स' की तस्वीरें लेने में भी कामयाब रहे। तेज तूफान के दौरान रिकॉर्ड किए गए इस फुटेज में बादलों के ऊपर कई तेज लाल चमकें फूटती हुई दिखाई दे रही हैं।

ब्रिटेन की संसद में ग्रूमिंग गैंग पीड़ितों की गवाही, ज्यादातर आरोपी पाकिस्तान मूल के

13 साल उम्र, 3 साल में 700 लोगों ने रेप किया

लंदन, एजेंसी

ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोव ने संसद में अपने एक भाषण से ब्रिटेन के ग्रूमिंग गैंग कांड पर फिर से बहस छेड़ दी है। उन्होंने इस भाषण में पीड़ितों की गवाही पढ़ी। उन्होंने संसद को बताया कि रेप गिरोह की दो हफ्तों की जांच की सुनवाई के दौरान जो बातें कही गईं, उसे पूरी दुनिया को सुननी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि एक पीड़ित से 13 से 16 साल की उम्र के बीच 600-700 अलग-अलग पुरुषों ने रेप किया। लोव ने कहा, ब्रिटेन के कम से कम 85 इलाकों में संगठित बाल यौन शोषण के संकेत मिले हैं। संसद में पढ़ी गई गवाहियों में सामूहिक दुष्कर्म, हिंसा, धमकी और नस्लीय

ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोवे ने 1 जून को संसद में अपने एक भाषण के दौरान रेप पीड़िताओं की कहानियां बताई।

अपमान के आरोप शामिल थे। एक गवाही में कहा गया कि पीड़ित को ड्रग्स देकर कई लोगों के हवाले किया जाता था। उन्हें पिंजरों में कैद रखा जाता था। दूसरी पीड़ित ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर जान से मारने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी जाती थी। लोव के संसद में दिए भाषण के मुताबिक, एक पीड़ित ने कहा- आरोपी ने अपनी पैंट उतारी, मेरा रेप किया। फिर उसने एक खाली बोतल उठाई और उसे जबरदस्ती मेरे प्राइवेट पार्ट के अंदर डाल दिया और बोतल का शीशा तोड़ दिया। उस समय मेरी उम्र लगभग 12 या 13 साल थी। लोव ने एक और पीड़ित की कहानी बताई। पीड़ित ने कहा- उन पुरुषों ने मुझे पकड़ रखा था और बारी-बारी से मेरे साथ रेप किया, मेरे हाथ-पैर भी दबाए रखे। उन्होंने मुझे बार-बार पीटा, किसी को घटना के बारे में बताने पर जान से मारने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी।

क्या है ग्रूमिंग गैंग, जिनमें ज्यादातर पाकिस्तानी

ब्रिटेन में, 'ग्रूमिंग गैंग' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर उन मामलों के लिए किया जाता है जिनमें बच्चों और किशोरियों का यौन शोषण या उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। ग्रूमिंग गैंग शब्द रोदरहम, रोशडेल और ओल्डहैम जैसे शहरों में हुई जांचों के बाद प्रचलित हुआ। 1990 के दशक से ऐसे कई मामलों में हजारों पीड़ित सामने आईं। खास बात यह थी कि अधिकतर आरोपी पाकिस्तान मूल के थे। आरोपी पहले भरोसा जीतते हैं, फिर धमकी, हिंसा, ड्रग्स या ब्लैकमेल के जरिए शोषण करते हैं।

2002 में तत्कालीन लेबर सांसद ऐन क्रायर ने पहली बार चेतावनी दी थी कि पश्चिम यॉर्कशायर के कीघली में पाकिस्तानी मूल के पुरुषों का गैंग लड़कियों का शोषण कर रहा है। 2010 में रोदरहम में पांच पुरुषों को नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के लिए दोषी ठहराया गया। बाद की जांचों में रोदरहम समेत रोशडेल, ओल्डहैम, टेलफोर्ड, ऑक्सफोर्ड और अन्य शहरों में ऐसे संगठित गिरोहों का खुलासा हुआ।

रूपर्ट लोव ने कहा- अब इन मामलों पर चुप नहीं रहा जा सकता। पिछले साल अगस्त में लोव ने कहा था कि रेप कांड में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के पुरुष शामिल हैं। ये दशकों से गैंग चला रहे हैं और इनकी संख्या अनुमान से कहीं ज्यादा हैं।

यूएस बोला- सभी हमले नाकाम, अमेरिका ने होर्मुज में ईरानी आइलैंड को निशाना बनाया

ईरान का कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद बीती रात सबसे बड़े सैन्य टकरावों में से एक देखने को मिला। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए, जिससे युद्धविराम और परमाणु वार्ता दोनों पर फिर से संकट के बादल मंडराने लगे हैं। तनाव तब शुरू हुआ जब अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप के एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहे बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर हेलफायर मिसाइल से हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) का कहना है कि जहाज ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंध और नाकेबंदी का पालन नहीं किया था। इसके जवाब में ईरान ने लाइबेरिया के झंडे वाले एक जहाज पर मिसाइलें दागने का दावा किया। हालांकि हालात तब ज्यादा गंभीर हो गए जब अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास केश्म द्वीप पर स्थित एक ईरानी सैन्य नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया। इस हमले के बाद ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर मिसाइल और ड्रोन दागे। ईरान का कहना है कि उसने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी एयरबेस, हेलीकॉप्टर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को निशाना बनाया। वहीं अमेरिका ने दावा किया कि उसके ठिकानों पर किए गए सभी हमले नाकाम रहे और ईरानी मिसाइलों व ड्रोन को या तो रास्ते में ही मार गिराया गया या वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। अमेरीका ने ईरानी ऑयर टैंकरों पर हमले किएः अमेरिका ने ईरान के केश्म आइलैंड, गोरुक और होर्मुज के पास ऑयल टैंकरों पर हमले किए। ईरान ने जवाब में एक जहाज को मिसाइल से निशाना बनाया।

ईरान ने कुवैत-बहरीन को जिम्मेदार ठहराया

ईरान ने अमेरिका के हालिया हमलों की निंदा करते हुए कहा है कि ये युद्धविराम और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुवैत और बहरीन इन हमलों के लिए सीधे और साफ तौर पर जिम्मेदार हैं, क्योंकि उनके इलाके और सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ अमेरिकी ऑपरेशन में किया गया।

ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए। अमेरिका ने दावा किया कि ज्यादातर मिसाइलें हवा में ही इंटरसेप्ट कर दी गईं।

कुवैत में ईरानी हमले में 1 शख्स की मौत

कुवैत ने कहा है कि ईरान के एक हमले में देश के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

हमले के बाद कुवैत ने सभी वाणिज्यिक उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कर दी हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव फिर बढ़ता दिख रहा है।

आरबीआई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग आज से

ब्याज दर में कटौती की उम्मीद नहीं, अभी रेपो रेट 5.25% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की मीटिंग 3 जून से शुरू हो रही है। यह 5 जून तक चलेगी। इसी दिन सभी फैसलों का ऐलान किया जाएगा।

एक्सपर्ट्स के अनुसार इस मीटिंग में ब्याज दरों में कटौती की कम ही उम्मीद है। अप्रैल में हुई मीटिंग में भी रेपो रेट में कटौती नहीं की गई थी।

किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का शक्तिशाली टूल होता है। जब महंगाई ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो कम करने की कोशिश करता है।

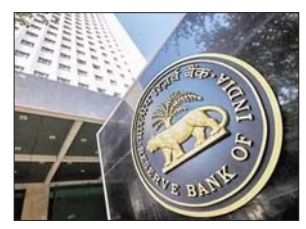

पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे

इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होने पर डिमांड घटती है और महंगाई कम हो जाती है। जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है, तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 RBI के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। RBI की मीटिंग हर दो महीने में होती है।

आपदा : गोल्फ की गेंद जितने बड़े बरसे ओले, मचाई भारी तबाही, इससे यातायात बाधित हुआ

अमेरिका के कोलोराडो में आया भीषण तूफान

निवासियों का कहना है कि तूफान से एक स्थानीय किराने की दुकान को भी नुकसान पहुंचा, जहां ओलों ने छत पर लगी खिड़कियों को तोड़ दिया। हालांकि, जितनी तेजी से तूफान आया था लगभग उतनी ही तेजी से सूरज फिर से निकल आया और ओलों को पिघला दिया।

चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के कोलोराडो में भीषण तूफान आया और जबरदस्त ओलावृष्टि हुई। सोमवार को तेज हवाओं, भारी बारिश और गोल्फ की गेंद जितने बड़े ओलों ने डेनवर, कोलोराडो में जमकर कहर बरपाया।

यह तूफान दोपहर के समय शहर और उसके आस-पास के इलाकों से टकराया, जिससे सड़कों पर आवाजाही बाधित हुई और डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों में देरी हुई। इलाके में दो इंच मोटे ओले गिरे और पूरे इलाके में कारों और

घरों पर जोरदार तरीके से बरसते हुए दिखाई दिए। हालांकि सोमवार का तूफान कम समय के लिए ही रहा फिर भी कुछ निवासी सतर्क हैं क्योंकि बुधवार को और तूफान आने का पूर्वानुमान है। राज्य के अधिकारियों का कहना है कि कोलोराडो में बीमा से होने वाले नुकसान का मुख्य कारण अभी भी ओलावृष्टि ही है। ओलावृष्टि से होने वाले नुकसान से जुड़े बीमा दावों के मामले में यह राज्य देश भर में लगातार शीर्ष स्थानों में से एक पर बना हुआ है।

गोल्फ की गेंद की आकार के ओले गिरे

तूफान के बाद अपनी अपनी कार बाहर देखने आई एक चश्मदीद ने कहा, ₹यह पूरे 10-15 मिनट तक चला। बस ओले गिर रहे थे और आस-पास की सभी कारों से टकरा रहे थे। उन्होंने बताया, मैंने इसे पहले कभी इतना बड़ा नहीं देखा। गोल्फ की गेंद के आकार के ओले थे और वे जमीन पर इतनी जोर से टकरा रहे थे कि उछलकर दूसरी मंजिल तक पहुंच रहे थे।

जापान में जिस मस्जिद का पाक राजदूत ने किया उद्घाटन, वह निकली अवैध

पाकिस्तान की इंटरनेशनल फजीहत

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान के कावागोए शहर में बनी एक मस्जिद ने पाकिस्तानी समुदाय के लोगों को शर्मिंदगी में डाल दिया है। इसी साल अप्रैल में पाकिस्तानी राजदूत अब्दुल हमीद ने इस मस्जिद का उद्घाटन किया था। लेकिन अब इसपर गिराए जाने का पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मस्जिद को गैर-कानूनी तरीके से बनाया गया था।

कावागोए सिटी हॉल ने साफ किया कि मस्जिद को प्रशासन की बिना अनुमति के बनाया गया है। मस्जिद निर्माण के लिए नगर नियोजन अधिनियम के तहत विशेष परमिट जरूरी होता है, जो नहीं लिया गया। जिसके बाद शहर प्रशासन को मस्जिद को हटाने के अनुरोध मिले हैं, जिसपर चर्चा चल रही है। इस घटना ने पाकिस्तानी दूतावास को भी मुश्किल स्थिति में डाल दिया। विवाद बढ़ने पर

दूतावास ने तुरंत खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया। 1 जून को जारी बयान में दूतावास ने कहा कि जापानी कानूनों का उल्लंघन करने वाली किसी भी परियोजना से उसका कोई संबंध नहीं है। दूतावास ने पाकिस्तानी समुदाय से जापानी नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। राजदूत के शामिल होने पर क्या कहा?

साथ ही पाक दूतावास ने राजदूत के उद्घाटन में शामिल होने पर भी सफाई दी है। बयान के अनुसार, राजदूत अब्दुल हमीद 3 अप्रैल को कार्यक्रम में तब गए जब उन्हें आश्वासन दिया गया था कि सभी कानूनी मंजूरियां ली जा चुकी हैं। दूतावास ने जोर देकर कहा कि वह ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करता जो स्थानीय कानूनों का पालन न करे।'

जापान में कंस्ट्रक्शन को लेकर सख्त नियम हैं. यहां किसी भी धार्मिक इमारत के लिए स्थानीय सरकार की अनुमति अनिवार्य है। पाकिस्तान इस मामले में कूटनीतिक रूप से बैकफुट पर आ गया है। राजदूत के उद्घाटन में शामिल होने से इंटर-नेशनल लेवल पर पाक की किरकिरी हो रही है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96